तापमान
अधिकतम-32°C
न्यूनतम-27°C



# प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

टालने की आदत छोड़े,पीड़ित की सुनवाई करें: योगी 3

इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी, धर्मांतरण पर चिंता, धार्मिक सभाओं पर रोक लगाने की सिफारिश 4



वर्ष : 10 अंक : 92 प्रयागराज,बुधवार 03 जुलाई 2024 www.prayagdarpan.live हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये


### प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा

# जनता ने हमारी 10 साल की सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा: पीएम मोदी



**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे हैं। लेकिन जब पीएम मोदी ने बोलना शुरू किया तो विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया है। स्पीकर ओम बिरला की तरफसे विपक्ष को चेतावनी भी दी गई। उन्होंने कहा कि ये कोई तरीका नहीं है। इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति भी देखी और तुष्टिकरण की गवर्नेंस का मॉडल भी देखा है।हम तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण के विचार को लेकर चले हैं। लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवाब दे रहे हैं। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान विपक्षी सांसदों ने जोरदार हंगामा किया।विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच पीएम का संबोधन जारी है।स्पीकर ओम बिरला ने विपक्षी सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि ये कोई तरीका नहीं है।जनता ने हमारी 10 साल की सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा है। हमने जनसेवा ही ईश्वर सेवा को मंत्र बनाकर काम किया।देश ने हमें भ्रष्टाचार को लेकर जो जीरो टॉलरेंस नीति है, उसके लिए आशीर्वाद दिया है।हमारा एकमात्र लक्ष्य नेशन फर्स्ट है। 10 साल में हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को लेकर के सबका कल्याण करने का प्रयास करती रही है। पीएम मोदी ने कहा कि इस देश ने लंबे अरसे तक तुष्टिकरण की राजनीति भी देखी और तुष्टिकरण की गवर्नेंस का मॉडल भी देखा है। हम तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण के विचार को लेकर चले हैं। जब हम संतुष्टिकरण की बात करते हैं तो इसका मतलब है कि आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचे। जब हम सैचुरेशन के सिद्धांत की बात करते हैं तो ये सच्चे अर्थ में सामाजिक न्याय और सेक्यूलरिज्म होता है और इस पर देश की जनता ने हमें तीसरी बार बैठाकर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जनता ने हमारी 10 साल की सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा है। हमने जनसेवा ही ईश्वर सेवा को मंत्र बनाकर काम किया है। आज विश्व में भारत का गौरव हो रहा है। दुनिया में साख बढ़ी है। हमारा एकमात्र लक्ष्य नेशन फर्स्ट है। 10 साल में हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को लेकर के सबका कल्याण करने का प्रयास करती रही है। देश ने हमें भ्रष्टाचार को लेकर जो जीरो टॉलरेंस नीति है, उसके लिए आशीर्वाद दिया है इससे पहले लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण संबंधी धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुराग ठाकुर ने की थी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर कई आरोप लगाए थे।

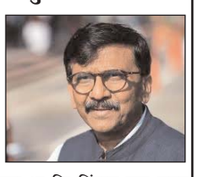

उन्होंने भाजपा पर देश में हिंसा, नफरत तथा डर फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि 'ये लोग हिंदू नहीं हैं। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जोरदार तरीके से विरोध जताया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर विषय है। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि हिंदू कभी हिंसा नहीं कर सकता, कभी नफरत और डर नहीं फैला सकता। उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री निचले सदन में विपक्ष के सभी आरोपों का जवाब देंगे।

## संजय राउत ने राहुल गांधी के भाषण का समर्थन किया, कहा, हम भाजपा के नकली हिंदुत्व से सहमत नहीं



**मुंबई।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद में की गई टिप्पणी से इन दिनों देश की सियासत गरमाई हुई है। एक ओर जहां बीजेपी राहुल गांधी से माफी की मांग कर रही है तो दूसरी ओर शिवसेना राहुल गांधी के समर्थन में उतर आई है। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कांग्रेस नेता के शब्दों का समर्थन करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता बीजेपी द्वारा चित्रित नकली हिंदुत्व के साथ नहीं हैं। संजय राउत ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, कल राहुल गांधी जी ने कहा कि हिंदुत्व भाजपा के बराबर नहीं है। हिंदुत्व नफरत फैलाने को बढ़ावा नहीं देता है। हम भाजपा द्वारा चित्रित नकली हिंदुत्व के साथ नहीं हैं। राहुल गांधी की टिप्पणी के अनुरूप शिवसेना नेता ने आगे कहा कि राहुल गांधी ने संसद में कहा था कि हिंदुत्व एक बहुत व्यापक शब्द है। उन्होंने कहा, उन्होंने हिंदुओं के बारे में कुछ भी गलत नहीं कहा। जो लोग खुद को हिंदू मानते हैं, उन्हें फिर से सुनना चाहिए कि राहुल गांधीजी ने कहा था कि हिंदुत्व एक बहुत व्यापक शब्द है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसे नहीं समझेगी। सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने हिंदू प्रतीक अभयमुद्रा को भी कांग्रेस पार्टी का प्रतीक बताया जो निडरता, आश्वासन और सुरक्षा का प्रतीक है। कांग्रेस नेता ने कहा, अभयमुद्रा कांग्रेस का प्रतीक है...अभयमुद्रा निर्भयता का संकेत है, आश्वासन और सुरक्षा का संकेत है, जो भय को दूर करता है और हिंदू धर्म, इस्लाम, सिख धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य भारतीय धर्मों में दिव्य संरक्षण और आनंद प्रदान करता है। हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा और भय को खत्म करने की बात की है लेकिन जो खुद को हिंदू कहते हैं वे केवल हिंसा, घृणा, असत्य की बात करते हैं। आप हिंदू हो ही नहीं। उन्होंने कहा, ''हिंदू धर्म में लिखा है, सत्य से मुंह मत मोड़ो, सत्य के साथ खड़े रहो।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहना बहुत गंभीर मामला है। गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की।

## पवन खेड़ा ने विवेकानंद के शिकागो में दिए गए ऐतिहासिक भाषण से की राहुल गांधी के संसद में संबोधन की तुलना



**नई दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने भगवान शिव की तस्वीर लेकर हिंदू और हिंसा से जुड़ा बयान दिया। राहुल गांधी ने कहा कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा करते हैं। एक तरफ जहां राहुल गांधी के इस बयान को लेकर भाजपा ने उनको निशाने पर लिया है, वहीं कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के बचाव में आ गई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया। उन्होंने राहुल के लोकसभा में दिए गए पहले भाषण की तुलना स्वामी विवेकानंद द्वारा वर्षों पहले शिकागो में दिए गए स्पीच से की।पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी ने कल संसद में एक ऐसा आईना दिखाया, जिस आईने को देखकर कुछ लोगों को अपना वीभत्स चेहरा सामने दिखाई दिया। आईना झूठ नहीं बोलता, आईना हकीकत बयां करता है। राहुल गांधी ने हिंदू विचार की व्याख्या की। उस विचार की व्याख्या सुनकर भारतीय जनता पार्टी के पांव तले जमीन खिंसक गई। हिंदू विचार में अहिंसा है, सत्य है। भाजपा में ये चीजें कहां दिखती हैं। स्वयंभू ठेकेदार बनकर इस विशाल हिंदू विचार को कैद करना चाहते हैं। गंगा कहां से शुरू होती है और कहां पर खत्म होती है, क्या इसका उत्तर किसी के पास है। जो गंगोत्री से बहना शुरू करे और सागर में चली जाए, सिर्फवो गंगा नहीं है। क्या आप गंगा को कैद कर सकते हो, क्या आप हिंदू विचार को कैद कर सकते हो। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा में कल राहुल गांधी के ऐतिहासिक भाषण की तुलना करूं तो स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में जाकर भाषण दिया था, लगभग उसके करीब आता है। आप समाज में विष घोलते हैं, भगवान शिव विष पी जाते हैं। तभी आपको अटपटा और बुरा लगा जब राहुल गांधी ने संसद में भगवान शिव की तस्वीर आपके सामने दिखाई। उस तस्वीर में आपको क्या दिखा। आपकी कितनी संकीर्ण सोच है। आप एक विशाल नदी को बांधना चाहते हैं, प्रयास भी मत कीजिएगा, ये नदी बहती रहेगी। इस बहाव में ऋषि मुनियों की तपस्या है, हमारे पूर्वजों के जीवन संघर्ष की कहानी है। गंगा की तरह यह विचार बहता है तो स्वच्छ रहता है।

## तेलंगाना में जेएसी के नेता मोतीलाल नाइक ने खत्म की भूख हड़ताल



**हैदराबाद।** तेलंगाना में ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के नेता मोतीलाल नाइक ने मंगलवार को अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म कर दी। हालांकि, मोतीलाल नाइक ने नौकरियों के लिए विरोध को और तेज करने की शपथ ली है। मोतीलाल नाइक ने गांधी अस्पताल में नौवें दिन भूख हड़ताल समाप्त कर दी। यहां पर बीते कुछ दिनों से छात्र समूह और राजनीतिक दलों के नेताओं की उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए किए गए दौरों के कारण तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई थी। मोतीलाल नाइक ने अपनी भूख हड़ताल का समर्थन करने वाले सभी लोगों का आभार जताया। उन्होंने बुधवार से विरोध प्रदर्शन को और तेज करने की शपथ ली, लेकिन अब विरोध का तरीका अलग होगा। उनका कहना है कि जब तक राज्य सरकार उनकी मांगें स्वीकार नहीं कर लेती, जेएसी हड़ताल जारी रखेगी। मोतीलाल नाइक ने याद दिलाया कि जब तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेता केसी राव ने नौ दिनों तक भूख हड़ताल की थी, तो केंद्र ने तेलंगाना राज्य के निर्माण की मांग स्वीकार कर ली थी। पर उनकी नौ दिनों की भूख हड़ताल के बाद भी सरकार ने भर्ती (नौकरी) के लिए एक भी पद नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा, यह इस सरकार का दृष्टिकोण है। इसने यह जानने की जहमत नहीं उठाई कि मेरे साथ क्या हुआ और हमारी मांगें क्या हैं। जिन मांगों को लेकर मैंने भूख हड़ताल की, वे कांग्रेस पार्टी की ओर से अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों के अलावा और कुछ नहीं हैं। नाइक ने कहा कि जब भी कांग्रेस नेताओं को उनके वादों की याद दिलाई जाती है, तो वे एमएलसी चुनाव और बाद में लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता का हवाला देते हुए बेरोजगारों को इंतजार करने के लिए कहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद भी सरकार नौकरी कैलेंडर जारी करने और भर्ती परीक्षाओं के लिए अधिसूचना जारी करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि उनकी मुख्य मांगें ग्रुप फर्स्ट (पहले) मुख्य परीक्षा के तहत एक पद के लिए 100 उम्मीदवारों को अनुमति देना, ग्रुप सेकंड (दूसरे) पदों को 2,000 और ग्रुप थर्ड पदों को 3,000 तक बढ़ाना है। जेएसी नेता यह भी चाहते हैं कि राज्य सरकार 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति के लिए एक मेगा डीएससी अधिसूचना जारी करे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया था। हम जो मांग कर रहे हैं, वह 30 हजार भी नहीं है। कोई भी उनके 2 लाख नौकरियों और बेरोजगारी भत्ते के वादे पर विश्वास नहीं करता। बता दें कि विपक्षी बीआरएस और भाजपा ने नाइक की भूख हड़ताल और बेरोजगारों के चल रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने 30 जून को नाइक से अस्पताल में मुलाकात की थी और उनसे भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की थी।

# खबरें एक नजर में

## मुंबई में 1993 में हुए दंगों का आरोपी तीन दशक से था फरार, अब चढ़ा पुलिस के हत्थे

**नई दिल्ली।** मुंबई में 1993 में हुए दंगों में कथित रूप से शामिल 65 वर्षीय एक व्यक्ति को 31 साल तक फरार रहने के बाद यहां गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि सैयद नादिर शाह अब्बास खान को रफी अहमद किदवई मार्ग थाने की टीम ने सोमवार को शिवडी इलाके से पकड़ा। शहर में दंगों के दौरान हत्या की कोशिश एवं अवैध रूप से एकत्र होने के मामले में खान आरोपी है। 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद को गिराए जाने के बाद शहर में दंगे भड़क गए थे।अधिकारी ने बताया कि खान को पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और वह जमानत हासिल करने के बाद कभी भी अदालत की कार्यवाही में शामिल नहीं हुआ। अधिकारी के मुताबिक, अदालत ने खान को वांछित आरोपी घोषित कर दिया था और उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस मध्य मुंबई के शिवडी स्थित उसके घर कई बार गई, लेकिन वह नहीं मिला। आखिरकार पुलिस को उसके एक रिश्तेदार के मोबाइल फोन की जांच के दौरान उसके ठिकाने का सुराग मिला। 29 जून को रफी अहमद किदवई मार्ग थाने को सूचना मिली कि खान अपने घर जा रहा है, जिसके बाद जाल बिछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि खान को 1993 मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

## सारण में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, 2 युवकों की मौत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

**छपरा।** बिहार के सारण जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिससे दो युवकों की मौत हो गई। वहीं, इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक, घटना जिले के दिघवारा थाना क्षेत्र के आमी मोड़ के समीप की है। मृतकों की पहचान जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर बथानी गांव निवासी सुरेश प्रसाद राय का पुत्र प्रकाश कुमार राय (20) तथा दरियापुर बाजार निवासी देवकांत साह का पुत्र रवि रंजन कुमार (20) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रकाश कुमार राय और रवि रंजन कुमार एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर अवतार नगर थाना क्षेत्र के संठा गांव जा रहे थे। इसी दौरान दिघवारा थाना क्षेत्र के आमी मोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवकों की मौत हो गई।इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

## मुंगेली में पिता ने किया अपनी नाबालिग बेटी से दुष्कर्म

**मुंगेली।** छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में बाप के अपनी ही सगी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।मामला मुंगेली के फास्टरपुर थाना क्षेत्र का है। मामले की शिकायत आरोपी की पत्नी ने थाने में की थी। दुष्कर्म, पॉक्सो समेत आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने 36 वर्षीय आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित लड़की ने इस बात की जानकारी अपनी मां को दी। घटना की जानकारी मिलते ही आरोपी की पत्नी ने बेटी के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया। पुलिस ने नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म की घटना पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपी कलयुगी पिता को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

## अमृतसर में पांच किलो हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

**अमृतसर।** सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफएक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर तरनतारन के खेमकरण से पांच किलो हेरोइन बरामद की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि पकड़े गए तस्कर की पहचान लखविंदर उर्फलक्खा के तौर पर हुई है , जो नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त था और पाकिस्तान स्थित नशीले पदार्थों के तस्कर के संपर्क में था।

# केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय का सीबीआई को नोटिस




**नई दिल्ली।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब घोटाले में कथित धनशोधन के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने सीबीआई द्वारा श्री केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार करने के मामले को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद नोटिस जारी करके केन्द्रीय जांच एजेंसी को अपना पक्ष रखने को कहा। उच्च न्यायालय ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख मुकर्रर की है। श्री केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के अलावा विशेष अदालत के केंद्रीय जांच एजेंसी को उन्हें हिरासत में देने के आदेश के साथ ही गिरफ्तारी को उचित बताने की टिप्पणी पर अपनी याचिका में सवाल किया है। सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल बंद श्री केजरीवाल को 26 जून को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से श्री केजरीवाल की हिरासत बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया था। सीबीआई की ओर से दलील दी गई थी कि श्री केजरीवाल एक प्रभावशाली राजनेता हैं। वह हिरासत में नहीं रहने पर सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत की अदालत ने 26 जून को श्री केजरीवाल को सीबीआई की तीन दोनों की हिरासत भेजने का आदेश दिया था।

# विवादित अंश हटाए जाने पर राहुल गांधी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लिखा पत्र



**नई दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने भाषण से हटाई गई टिप्पणियों और अंशों को लेकर स्पीकर ओम बिरला को खत लिखा है। उन्होंने भाषण के अंश हटाए जाने पर हैरानी जताई है। राहुल गांधी ने लोकसभा स्पीकर से अनुरोध करते हुए उनके हटाए गए अंश को फिर से बहाल करने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने ने यह भी कहा कि भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने अपने भाषण में कई अनर्गल बातें कहीं और उनमें से सिर्फ एक शब्द को कार्रवाई से हटाया गया। पत्र में राहुल गांधी ने लिखा, मैं यह लेख 1 जुलाई 2024 को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मेरे भाषण से निकाली गई टिप्पणियों और अंशों के संदर्भ में लिख रहा हूं। यह देखकर हैरान हूं कि जिस तरह से मेरे भाषण के काफी हिस्से को निष्कासन की आड़ में कार्यवाही से हटा दिया गया है, मेरी सुविचारित टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटा देना, संसदीय लोकतंत्र के सिद्धांतों के खिलाफ है। खत में राहुल गांधी ने आगे केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, मैं अनुराग ठाकुर के भाषण की ओर भी ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, जिनका भाषण आरोपों से भरा था, हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से केवल एक शब्द हटाया गया। आपके प्रति उचित सम्मान के साथ, यह चयनात्मक निष्कासन तर्क को धता बताता है। मैं अनुरोध करता हूं कि कार्यवाही से हटाई गई टिप्पणियों को बहाल किया जाए। ज्ञात हो कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान लोकसभा में दिए गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाषण के कुछ विवादास्पद अंश को हटा दिया गया। हटाए गए अंश में हिंदुओं और कुछ दूसरे धर्मों पर उनकी टिप्पणियां शामिल हैं। वहीं विवादित अंश लोकसभा हटाए जाने पर राहुल गांधी ने प्रतिक्रियाएं दी। मीडिया से बात करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी की दुनिया में सच्चाई को मिटाया जा सकता है। लेकिन, हकीकत में सच्चाई को मिटाया नहीं जा सकता। जो मैंने कहा और जो मुझे कहना था मैंने कह दिया, वह सच्चाई है, अब उन्हें जो मिटाना है मिटाएं। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के रूप में राहुल गांधी का सोमवार को पहला भाषण था। इस दौरान सदन में भारी हंगामा हुआ।

## मुझे बनाने वाली सोनिया गांधी हैं: मल्लिकार्जुन खड़गे

**नई दिल्ली।** राज्यसभा में मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व सभापति के बीच एक बार फिर नोक झोंक हुई। खड़गे ने अपने एक वक्तव्य में सोनिया गांधी की ओर इशारा करते हुए कहा, मुझे बनाने वाली यहां बैठी हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बनाने वाली सोनिया गांधी हैं। न रमेश मुझे बना सकता है, न आप बना सकते हैं, जनता ने मुझे बनाया।इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, खड़गे जी आपको किसने बनाया है, यह आप खुद जानें, मैंने एक मुद्दा उठाया और आपने कैसे उसे ट्विस्ट किया है। आप मुझ पर लांछन लगने की कोशिश की। मैं एक साधारण व्यक्ति हूं, झुक कर चलना पसंद करता हूं। इससे पहले राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के एक बयान पर तीखी नाराजगी व्यक्त की थी। सभापति ने खड़गे से कहा कि आप अचानक खड़े होते हैं और कुछ भी कह देते हैं। मेरी बात को समझते भी नहीं हैं। संसदीय इतिहास में चेयर का इस तरह अनादर कभी नहीं हुआ। सभापति ने कहा, मेरे अंदर बहुत सहनशक्ति है, मैं खून का घूंट पी सकता हूं। मैंने क्या-क्या बर्दाश्त किया है, कितना बर्दाश्त किया है और आप फट से खड़े होकर कह देते हैं। दरअसल, राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी बोल रहे थे। उसी समय खड़गे कुछ बोलने के लिए उठे तो पीछे से कांग्रेस सांसद जयराम रमेश भी कुछ कहने लगे। सभापति ने जयराम रमेश को बुद्धिजीवी कहते हुए बीच में टोका-टोकी न करने के लिए कहा। इसी दौरान खड़गे ने अपने अपमान का आरोप लगाया। इस पर सभापति ने कहा, खड़गे जी आप मेरी बात को नहीं समझ पाए, जितना मैं आपका आदर करता हूं, इसका एक अंश भी आप मेरे लिए करेंगे तो आपको महसूस होगा। मैंने यह कहा है जब प्रथम पंक्ति में आप जैसा 56 साल के अनुभव वाला व्यक्ति है, फिर आपको भी हर बार जयराम रमेश टीका-टिप्पणी कर मदद करना चाहते हैं। यह एक प्रॉब्लम है, जिसको आपको सॉल्व करना है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मुझे बनाने वाली यहां बैठी हैं, श्रीमती सोनिया गांधी ने मुझे बनाया है। न आप बना सकते हैं न रमेश बना सकता है। इस पर सभापति ने कहा, मैं उस स्तर पर नहीं आना चाहता। मेरी बात को ध्यान से सुनिए, आप अचानक खड़े होते हैं और कुछ भी कह देते हैं, मेरी बात को समझते भी नहीं हैं।

## कांग्रेस विधायक ने शिवकुमार की चेतावनी को किया नजरअंदाज, सिद्दारमैया का किया समर्थन

**मांड्या।** कर्नाटक में मांड्या जिले के मालवल्ली से कांग्रेस विधायक पी.एम. नरेंद्र स्वामी ने मंगलवार को सीएम सिद्दारमैया का समर्थन किया है। विधायक ने कहा कि सीएम सिद्दारमैया को पार्टी ने सीधे तौर पर नियुक्त नहीं किया है, बल्कि विधायकों से राय लेने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया है। विधायक का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कड़ी चेतावनी देते हुए पार्टी पदाधिकारियों से नेतृत्व के मुद्दों पर बयान देने से बचने को कहा है। विधायक ने मालवल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी अभी भी अपने विधायकों की बहुमत की राय से बंधी हुई है। 2023 में सिद्दारमैया को वोटिंग के जरिए सीएम चुना गया था। यह हमारी पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र है। अभी भी पार्टी आंतरिक लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी की संभावनाओं को देखते हुए दूसरों को भी अवसर दिए जाएंगे। कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज ने बयान दिया कि शिवकुमार को सीएम बनाया जाना चाहिए।

## बदलाव के कानून

निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन,स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। कानून समाज के व्यापक अनुभवों व जरूरतों के अनुरूप स्वरूप ग्रहण करते हैं। ऐसे में एक जुलाई से पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरे। उल्लेखनीय है कि बदलाव से जुड़े विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे। सार्वजनिक विमर्श में अकसर यह बात सामने आती रही है कि औपनिवेशक सत्ता को मजबूत करने के लिये जो कानून अंग्रेजों ने बनाये थे, क्या उन्हें स्वतंत्र भारत में सात दशक बाद भी लागू रहना चाहिए? इस बाबत समय-समय पर शीर्ष अदालत की टिप्पणियां व मार्गदर्शन भी सामने आए हैं। कहा जाता रहा है कि सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाना चाहिए था। ऐसे सवाल इन कानूनों को बनाते समय संसद में बहस की अवधि और विपक्ष के एक बड़े हिस्से के सदन से बाहर रहने को लेकर उठाये जाते रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि देश की न्याय व्यवस्था को बदलने वाले कानूनों पर पर्याप्त बहस जरूरी होती है। यही वजह है कि कुछ गैर-बीजेपी शासित राज्यों की तरफ से विरोध के स्वर भी सुनायी दिए। इस बाबत कहा जा रहा है कि केंद्र के अधिकारियों का कहना है कि राज्य सरकारें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपनी ओर से संशोधन के लिये स्वतंत्र हैं। मगर एक हकीकत है कि सोमवार से देश में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम- भारतीय दंड सहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान ले चुके हैं। वहीं केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। साथ ही जीरो प्राथमिकी किसी भी थाने में दर्ज की जा सकेगी। लेकिन कानून के जानकार पुलिस रिमांड की अवधि बढ़ाने पर चिंता जता रहे हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के अनुरूप राजद्रोह कानून को तो हटा दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के अतिक्रमण को नये अपराध की श्रेणी में रखा गया है। संगठित अपराधों के लिये तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अपराध की जांच-पड़ताल को आधुनिक तकनीक के जरिये न्यायसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना भी अनिवार्य है ताकि अपराधी संदेह का लाभ न उठा सकें। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। दूसरी ओर कुछ कानून के जानकार नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से उत्पन्न कई न्यायिक परेशानियों के सामने आने की बात कह रहे हैं। वे नये प्रावधानों पर गंभीर विचार-विमर्श की जरूरत बताते हैं। तो कुछ लोग अभिव्यक्ति के अतिक्रमण की बात कर रहे हैं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन कानूनों के लागू होने से पहले हुए अपराधों की न्याय प्रक्रिया में विसंगति पैदा हो सकती है।

## अद्वितीय फुटबॉल और भक्ति का अद्वितीय दृश्य


Screengrab from video posted on X by @TomValentinoo

अद्वितीय फुटबॉल और भक्ति का अद्वितीय दृश्य, लैटिन अमेरिका में फुटबॉल फैशन से कौन परिचित नहीं है? उन्होंने विश्व कप और कोपा अमेरिका जैसे आयोजनों के दौरान टेलीविजन पर फुटबॉल देखने के लिए सब कुछ किनारे रख दिया। लैटिन अमेरिकी देश चिली का एक वीडियो उस अत्यधिक जुनून को दर्शाता है जो ये फुटबॉल मैच प्रेरित करते हैं, भले ही इसके लिए किसी को अपनी जान गंवानी पड़े । तेजी से लोकप्रिय हो रहे एक वीडियो में, शोक संतप्त लोगों को जागते समय एक खुले ताबूत के पास बैठकर लाइव फुटबॉल मैच देखते हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा ताबूत को फुटबॉल खिलाड़ियों की जर्सियों से सजाया गया है। एक मृत सदस्य के ताबूत के बगल में बैठकर, परिवार बड़े स्क्रीन प्रोजेक्टर पर चिली और पेरू के बीच कोपा अमेरिका मैच देख रहा है। वे शव को पकड़कर ताबूत के आगे, पीछे और दोनों तरफ बैठकर खेल देख रहे हैं। ताबूत के बगल में प्रार्थना कक्ष में एक तख्ती पर लिखा था, अंकल फेना, आपने हमें जो खुशी के पल दिए, उसके लिए धन्यवाद।हम आपको और आपके कोंडोरियन परिवार को हमेशा याद रखेंगे। मैच निराशाजनक रूप से 0-0 से ड्रा पर समाप्त हुआ, जिससे प्रशंसक मित्रों और परिवार को निराशा हुई।

# कड़वी यादों की खो रही सीख

**राजीव कुमार शुक्ल**



भारत में जून महीने का अंतिम सप्ताह हमारे आधुनिक इतिहास के जिन पृष्ठों को फिर देखने और उलटने-पलटने का एक बेचैन अवसर बन कर आता है, उनमें से एक खास है 25 और 26 जून, 1975 की दरमियानी रात में आंतरिक आपातकाल लागू किया जाना और फिर लगभग 21 महीनों यानी पौने दो साल का उसका आजाद हिंदुस्तान में अभूतपूर्व कालखण्ड। वह दौर इमरजेंसी के नाम से कुख्यात हुआ और इस शब्द की श्लोकप्रियताश् के अनेक प्रमाणों में से एक यह है कि आजकल बेहद साफ तौर पर कलात्मकता या यथार्थ प्रतिबिंबित करने की तड़प से इतर खुलेआम एकांगी और मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान के प्रति पक्षधर फिल्में राजनैतिक उद्देश्यों से बनाए जाने का जो सिलसिला चल रहा है, उसकी एक महत्वपूर्ण अगली कड़ी जो फिल्म है उसका नाम ही इमरजेंसी है। जब वह आपातकाल देश पर थोपा गया था, तब मैं बनारस में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में बीएससी (अंतिम वर्ष) की परीक्षा (सत्र विलम्बित था) दे चुका था या देने को था और ग्रीष्मावकाश में अपने ननिहाल दिल्ली आया था। देश में तब चल रहे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सम्पूर्ण क्रांति आन्दोलन (जिससे हम भी उद्वेलित थे) से उपजी बेचैनी आसपास लगातार महसूस हो रही थी। 12 जून को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा का वह प्रसिद्ध निर्णय आया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लोकसभा निर्वाचन को अवैध घोषित किया गया था। दिल्ली और देश का माहौल और उत्तप्त हो उठा था। बहरहाल, कुछ दिनों बाद मैं अपनी बड़ी मौसीजी के पास हाथरस गया, जहां अच्छा-खासा बुखार चढ़ आया, तो कई दिन वहीं रहना पड़ा। बीमारी में दीन-दुनिया की खबर भी कुछ कम रही। वहां से मैं अपनी उस यात्रा के अगले चरण फर्रूखाबाद जिले के गांव कम्पिल के लिये रवाना हुआ। मैं 25 जून की रात हाथरस से किसी ऐसी ट्रेन से सफर पर चला, जिससे कासगंज तक जा कर गाड़ी बदलनी होती थी। भीड़ ऐसी थी कि हाथरस से कासगंज तक कहीं ढंग से टिकने की जगह भी नहीं मिली। खड़े-खड़े हाल पस्त हो गया। 26 जून, 1975 की सुबह गाड़ी कासगंज पहुंची। अगली गाड़ी आने में घण्टा-डेढ़ घण्टा बाकी था। बुखार के बाद की कमजोरी, रात्रि जागरण और घण्टों खड़े रह कर शरीर और मन चूर हो रहे थे। मैं प्लेटफॉर्म पर एक बेंच पर आंखें मूंद कर बैठ गया था। तभी अखबारों के हॉकर वहां आ पहुंचे और देश में आपातकाल लागू हो चुकने का उद्घोष करने लगे। तीर खाए जीव की तरह आत्मचेतना जैसे तड़पने लगी। झपट कर एक अखबार खरीदा और पढ़ गया। याद है कि उत्तेजनावश अखबार पकड़े हाथ थरथरा रहे थे और उसका कागज बड़ा अजीब और अजनबी लग रहा था। कासगंज के रेलवे स्टेशन की वह भोर जैसे जल उठी। थकान से लस्त था, पर आंखों और मन की कड़वाहट और एक अजीब सी सनसनी में नींद बहुत दूर जा छुपी। बहुत सारी दूसरी चीजों की तरह सुबह की पहली चाय भी बिल्कुल कसैली हो गई थी। आपातकाल के दौरान क्या कुछ सोचा-देखा-महसूस किया और प्रतिरोध में एक विद्यार्थी के रूप में ही अपनी छोटी सी भूमिका निभाने में क्या किया, फिर कैसे दूसरी आजादी आई, उसका क्या हश्र हुआ, मैं विचार और सम्वेदना के कितने सोपानों से गुजरा, वह सब विस्तार से बयान करने की गुंजाइश अभी नहीं है। लेकिन यह दर्ज कर देने में कोई हर्ज नहीं कि एक सहज बुद्धि और विवेक संपन्न और लिखने-पढ़ने का रुझान रखने वाले किशोर के रूप में मन में जो विरोध और विद्रोह का भाव था, उसे एक अधिक सुविचारित दिशा तब मिली, जब मैं 1976 से बीचयू में ही पत्रकारिता का विद्यार्थी बन गया। अब यह बोध था कि जीवन की जो राह चुनी है, उसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अनिवार्य मूल्य है, जो तब गहरे संकट में था। अमूमन भारत के तत्कालीन मीडिया जगत ने (तब गैर-सरकारी संचार माध्यम के रूप में सर्वसुलभ सिर्फ अखबार हुआ करते थे, हालांकि तेज-तर्रार लोग बीबीसी, वॉयस ऑफ अमेरिका आदि कुछ विदेशी रेडियो स्टेशनों से भी जुड़ाव रखते थे) विशेष गौरवशाली प्रतिरोध की गाथाएं तब ज्यादा नहीं रचीं। लालकृष्ण आडवाणी ने बाद में पत्रकारिता जगत के लोगों के लिए वह प्रसिद्ध वाक्य कहा था कि उन्हें जब झुकने के लिए कहा गया, तो वे रेंगने लगे।

लेकिन ऐसा नहीं कि साहस के कोई स्फुलिंग समय-समय पर कौंधते नहीं थे। बड़े प्रतिष्ठानों में इंडियन एक्सप्रेस का आलोचनात्मक स्वर सबसे प्रखर और मुखर बना रहा। उसमें कुलदीप नैयर का विशेष तौर पर पहचाना और सम्मानित नाम बना। निखिल चक्रवर्ती संपादित पत्रिका मेनस्ट्रीम और राजमोहन गांधी के सम्पादन में हिम्मत ने भी अपनी अपेक्षाकृत सीमित पहुंच के बावजूद पत्रकारिता के संकल्प वाक्यों में एक स्पीक ट्रुथ टु पॉवर को चरितार्थ किया। इस संदर्भ में एक प्रसंग याद आता है। बतौर पत्रकारिता विद्यार्थी जब हम स्टडी-टूर पर दिल्ली आए, तो कई प्रतिष्ठानों में ले जाए गए। उनमें आकाशवाणी का दिल्ली केंद्र और राष्ट्रीय आकाशवाणी मुख्यालय भी गंतव्य थे। आपातकाल के उन कड़वे दिनों से विक्षुब्ध हम तीन-चार साथियों ने तय किया कि हम इस सरकारी भोंपू में जाकर क्या करेंगे, हम उसके बदले निडर समाचारपत्र इण्डियन एक्सप्रेस के कार्यालय जाकर निर्भीक पत्रकारिता के नायक आदरणीय कुलदीप नैयर जी से मिलेंगे। सो कुछ बहाना बना कर हम आकाशवाणी जाने से बच गए और इण्डियन एक्सप्रेस चले गए। नैयर साहब ने बी ब्रेव लिखकर ऑटोग्राफ दिया, जो निधि बन गया।इस विराट महादेश में उस कठिन दौर में हिम्मती और सच्ची पत्रकारिता के और भी उदाहरण निश्चय ही रचे गए होंगे, पर अपनी जानकारी और स्मृति की सीमाओं के कारण मैं यहां उनका उल्लेख नहीं कर पा रहा। तो निश्चय ही स्वात्रंत्र्योत्तर भारत के लोकतान्त्रिक इतिहास के एक गलत और अंधेरे दौर के रूप में हमें इमरजेंसी को याद रखना चाहिए, ताकि सदैव ध्यान रहे कि निरंकुश सत्ता प्रवृत्तियों को पहचानने और उनका मुकाबला करने में कभी चूक न हो, क्योंकि ऐसी चूक हमारे गणतंत्र का सत्व गंभीर और भीषण संकट में ला सकती है। निरंकुशता पर किसी दल या विचारधारा विशेष का एकाधिकार नहीं होता। पॉवर करप्ट्स, अब्सोल्यूट पॉवर करप्ट्स अब्सोल्यूटली सूक्ति के फलीभूत होने की आशंका हमेशा बनी रहती है, यदि संपूर्ण नागरिक समाज चेतन और निर्भय न हो। विशेष उत्तरदायित्व सिविल सोसाइटी का होता है और उनमें भी जिनकी सबसे कांटे की भूमिका होती है, उन समूहों में मीडियाकर्मी अनिवार्यत प्रमुखता से शामिल हैं। निश्चय ही इस परिप्रेक्ष्य में भी हमें आपातकाल को याद करना और रखना चाहिए। यह भी ध्यान में बना रहना ही चाहिए कि तब दमन प्रत्यक्ष था और साफनजर और पहचान में आता था। तब सामने स्थूल सेंसरशिप थी और उससे कुछ लोगों और संस्थाओं ने लड़ाई लड़ी। अब टेक्नॉलॉजी और दूसरे विभिन्न बदलावों की उछालों की वजह से और नव-साम्राज्यवादी वैश्विक दैत्याकार कॉर्पोरेट शक्तियों के देशों के भीतर की पुरोगामी कट्टरपंथी ताकतों के साथ गठजोड़ से निगरानी और नियंत्रण के तौर-तरीके कहीं ज्यादा सूक्ष्म, शातिर, सर्वव्यापी और प्रभावी हो गए हैं। इसके अलावा तब अत्याचार अधिकतर स्टेट की प्रत्यक्ष एजेंसियों जैसे पुलिस आदि के जरिए अंजाम दिए जाते थे। अब एक उन्मत्त भीड़ या वर्चस्वशाली लोग भी ऐसी भूमिका निभा सकते हैं, निभाते हैं। तो जूझने की समझ, हिम्मत और प्रविधि भी अब बेहतर चाहिए। ऐसा तो नहीं कि हम अपने-अपने सीमित और चतुर स्वार्थों और उद्देश्यों से आपातकाल को याद करने और धिक्कारने में तो लगे रह जाते हैं, लेकिन इमरजेंसी के वास्तविक कड़वे सबक भूलते जा रहे हैं?

## विपक्ष ने कराया अपनी ताकत का अहसास

24 जून से प्रारंभ हुए संसद के विशेष सत्र को छह दिन बीत गए हैं और इन छह दिनों में ही तस्वीर साफ हो गई है कि इस बार लोकतंत्र में एक अकेला सब पर भारी जैसी जुमलेबाजी नहीं चलेगी। अब सदन के भीतर सत्ता पक्ष की मनमानी नहीं चलेगी। अब सत्ता पक्ष के सांसदों के शोर में विपक्ष की आवाज को दबाया नहीं जा सकेगा। अब संसद टीवी का कैमरा कुछ खास लोगों पर ही फोकस नहीं करेगा, बल्कि विपक्ष के नेताओं को उसे दिखाना होगा। अब जितनी बार विपक्षी सांसदों के बोलते वक्त माइक बंद होगा, उतनी बार देश में इस पर बहस होगी कि आखिर संसद के भीतर माइक चालू या बंद करने की शक्ति किन हाथों में है। दरअसल मौजूदा संसद सत्र के छठवें दिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उनके भाषणों में जिन मुद्दों को उठाया गया, उनमें जनता की तकलीफें और पीड़ा झलक रही थी। लेकिन दोनों ही सदनों में भाजपा विपक्षी नेताओं की बातों से असहज नजर आई। सोमवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन के भीतर नीट पर चर्चा की मांग उठाई, यह मांग वे पहले भी उठा चुके हैं। श्री गांधी का कहना है कि नीट पर चर्चा से 24 लाख छात्रों तक वे संदेश देना चाहते हैं कि इस सदन को छात्रों की पीड़ा का अहसास है। लेकिन भाजपा इस मामले में उसी तरह चर्चा से बचती हुई दिख रही है, जैसे मणिपुर के मामले में। नीट पर भाजपा ने चर्चा का मौका नहीं दिया तो राहुल गांधी ने भी भाजपा को हिंदुत्व के नाम पर फैलाई जा रही हिंसा से लेकर अग्निवीर और भ्रष्टाचार जैसे तमाम मुद्दों पर इस तरह घेर लिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से लेकर राजनाथ सिंह और रविशंकर प्रसाद तक सभी अपना बचाव करते दिखे। पहली बार ऐसा हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी को एक नहीं दो-दो बार राहुल की बात पर बोलने के लिए उठना पड़ा और उसके बाद भी वो अपने बचाव में ऐसा कुछ नहीं बोल पाए, जिससे राहुल को चुप करा सकें। अपने भाषण की शुरुआत ही राहुल गांधी ने जय संविधान से की, फिर अपने ऊपर किए गए शाब्दिक हमलों, ईडी की जांच से लेकर अयोध्या में इंडिया गठबंधन की जीत और मणिपुर, नीट, जम्मू-कश्मीर सब पर भाजपा को जबरदस्त तरीके से घेरा। पिछली बार संसद में राहुल गांधी ने अडानी और मोदी की तस्वीर दिखाकर भाजपा को हिला दिया था और इस बार जब राहुल ने शिव जी तस्वीर दिखाई तो भाजपा समझ ही नहीं पाई कि अब इस दांव का जवाब कैसे दे। राहुल ने अपने भाषण में कुरान का भी जिक्र किया, गुरुनानक की अभय मुद्रा दिखाई और ईसा मसीह, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर का संदेश भी साझा किया कि सारे धर्म डरो मत डराओ मत का संदेश देते हैं और कांग्रेस भी इसी अभय मुद्रा का निशान लेकर चलती है। भाजपा ने हिंदू शब्द पर राहुल को घेरने की कोशिश की, लेकिन राहुल ने साफ कह दिया कि मोदी, भाजपा और आरएसएस का मतलब हिंदू नहीं है। राहुल गांधी ने संसद के भीतर इस बात को खास तौर पर रेखांकित किया कि हिंदुत्व के नाम पर भाजपा के शासनकाल में किस तरह नफरत और हिंसा को बढ़ावा दिया जाता है। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने इसे समूचे हिंदू समाज के अपमान से जोड़ने की कोशिश की। अमित शाह ने आपातकाल और 84 के दंगों का जिक्र कर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करने की नाकाम कोशिश की, क्योंकि भाजपा के ये दांव अब भोथरे हो चुके हैं। हकीकत तो ये है कि श्री मोदी के तीसरे प्रधानमंत्रित्व काल में भीड़ की हिंसा, अल्पसंख्यकों को निशाने पर लेना और भाजपा का ऐसी घटनाओं पर बचाव करने का सिलसिला जारी ही है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में अयोध्या में भाजपा की हार के कारण से लेकर अग्निवीर योजना की विफलताएं और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग तक सब पर जमकर प्रहार किया और भाजपा उनके पूरे भाषण के दौरान सदन के नियमों और संविधान की दुहाई देती दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर राहुल गांधी का मखौल उड़ाने की कोशिश की कि मुझे लोकतंत्र ने यह सिखाया है कि मुझे नेता प्रतिपक्ष को गंभीरत से लेना चाहिए। लेकिन उनके इस बचकाने मजाक से भी भाजपा को सहारा नहीं मिल सका। क्योंकि हकीकत यही है कि अब सदन में भाजपा बहुमत में नहीं है। इसलिए अब पहले की तरह मोदी-मोदी के शोर से विपक्ष को चुप नहीं कराया जा सकता। भाजपा को कदम-कदम पर जदयू और तेदेपा का साथ लेने पर मजबूर होना पड़ेगा। और यह देखना दिलचस्प होगा कि आखिर ये दोनों दल कहां तक भाजपा का साथ देते हैं। लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण की सोमवार को खूब चर्चा रही और उनके बाद जितने भी विपक्षी सांसदों ने भाषण दिए, सभी ने राहुल गांधी के फलसफे की सराहना की। इधर राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गांधी हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे पर संघ का प्रभाव, संघ को लेकर सरदार पटेल की सोच से लेकर श्री मोदी के अहंकारी नारों और भाषणों का जिक्र कर भाजपा को निरूत्तर कर दिया। श्री खड़गे ने साफ-साफ कहा कि आरएसएस एक मनुवादी संस्था है। इसकी विचारधारा देश के लिए खतरनाक है। भारत के संस्थानों पर आरएसएस का कब्जा हो रहा है। इस पर राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बचाव करते दिखे। भाजपा अध्यक्ष द्वारा संघ का बचाव करना स्वाभाविक है। लेकिन यह विचारणीय है कि राज्यसभा सभापति की आसंदी से क्या खुलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बचाव कहां तक उचित है। श्री खड़गे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण से उम्मीदें और उससे मिली निराशा के बारे में अपने विचार रखे, साथ ही यह भी बता दिया कि इस बार के चुनावों में किस तरह जनता ने संविधान को जिताया है और विपक्ष पर भरोसा दिखाया है। कुल मिलाकर नयी सरकार को संसद के इस पहले ही सत्र में विपक्ष की ताकत का अहसास राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने करा दिया है। अब देखना होगा कि इस सत्र से लेकर अगले सत्र के दरम्यान क्या भाजपा के रवैये में कोई बदलाव आता है या नहीं।

## आज का राशि फल




**मेषः-** काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

**बृषभः-** भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

**मिथुनः-** मूल्यवान समय को व्यर्थ के कार्यों में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

**कर्क :-** नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

**सिंहः-** नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कार्यों से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

**कन्याः-** जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

**तुलाः-** भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

**वृश्चिकः-** रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

**धनुः-** अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

**मकरः-** बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतः इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

**कुंभः-** सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

**मीनः-** कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कार्यों में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

# इमरजेंसी, घोषित और अघोषित

**राजेंद्र शर्मा**

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अठारहवीं लोकसभा के जिस पहले सत्र की शुरूआत, सत्ता पक्ष द्वारा पचासवीं सालगिरह के नाम पर (जबकि गणित के हिसाब से यह 49वीं सालगिरह ही थी), श्रीमती इंदिरा गांधी की 1975 की 25-26 जून की मध्यरात्रि की आंतरिक इमरजेंसी की घोषणा को जी भरकर गरियाने के साथ हुई है, उसी की चर्चा के पहले दिन की शुरूआत, बैठक शुरू होने से पहले विपक्ष द्वारा अपने खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के विरुद्ध संसद के दरवाजे पर विरोध प्रदर्शन किए जाने के साथ हुई। जाहिर है कि इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली के चीफ मिनिस्टर, अरविंद केजरीवाल के जेल में बंद रखे जाने का मुद्दा, केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष के खिलाफ ईडी, सीबीआई आदि केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किए जाने के खास उदाहरण के तौर पर उठाया जा रहा था। अरविंद केजरीवाल के मामले में केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक विद्वेष की भावना से काम करने की सच्चाई तब और नंगई से सामने आ गयी, जब दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत द्वारा लंबी कानूनी मशक्कत के बाद, प्रिवेंशन ऑफ मनी लाउंडरिंग (पीएमएलए) जैसे अति-दमनकारी कानून के अंतर्गत, केजरीवाल के खिलाफ पहली नजर में मामला नहीं बनने के आधार पर, जमानत दे दिए जाने के बाद, मोदी सरकार की ईडी उनकी जमानत रुकवाने के लिए हाई कोर्ट में पहुंच गयी और अंततः जमानत रुकवाने में कामयाब भी हो गयी। सभी ने देखा कि यह सब इतनी हड़बड़ी में और किसी भी तरह जमानत पर छूटने से उन्हें रोकने की नीयत से किया गया था कि राउज एवेन्य अदालत का फैसला अपलोड होने यानी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने से पहले ही, हाई कोर्ट से उसे रोकने के आदेश की प्रार्थना की जा चुकी थी और अदालत द्वारा अपने विवेक से उसे स्वीकार भी किया जा चुका था। लेकिन, यह किस्सा इतने पर ही खत्म नहीं हो गया। हाई कोर्ट के उक्त आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की याचिका पर किसी तरह की न्यायिक राहत का रास्ता रोकने की ही नीयत से, केंद्रीय एजेंसियां की रिले रेस में अब सीबीआई को आगे कर दिया गया, जिसने उसी प्रकरण के एक भिन्न पहलू षडयंत्रात्मक पहलू पर कार्रवाई के नाम पर, जेल में ही केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार कर लिया। हैरानी की बात नहीं है कि सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद, केजरीवाल को ईडी के मामले में जमानत से संबंधित अपनी याचिका उपयुक्त नहीं रह जाने के चलते वापस लेनी पड़ी और इस तरह के केंद्रीय एजेंसियों ने, जाहिर है कि मोदी-शाह सरकार के इशारे पर, यह सुनिश्चित किया है कि प्रासंगिक निचली अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के बावजूद, वह अभी और जेल में ही बंद रहें। वास्तव में यह मामला एक केजरीवाल का ही नहीं है, हालांकि दिल्ली के चीफ मिनिस्टर का यह मामला इस लिहाज से दुर्लभतम है कि स्वतंत्र भारत के सात दशक से ज्यादा के इतिहास में, इससे पहले किसी भी और चीफ मिनिस्टर को, सांकेतिक अदालती दंडात्मक कार्रवाई को छोड़कर, इस तरह गिरफ्तार नहीं किया गया था। लगभग ऐसे ही मामले में एक और विपक्षी चीफ मिनिस्टर, हेमंत सोरेन लगभग पांच महीने बाद पिछले ही सप्ताह जेल से छूटे हैं। झारखंड के चीफ मिनिस्टर, हेमंत सोरेन के मामले में आरोपों की भिन्नता के अलावा इतना सा तकनीकी अंतर जरूर था कि ईडी द्वारा पीएमएलए के अंतर्गत गिरफ्तार किए जाने से पहले, उन्हें राज्यपाल को अपना इस्तीफा देने का मौका जरूर दिया गया था और इस्तीफा देते ही, राजभवन के दरवाजे से ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इस तरह, तकनीकी रूप से गिरफ्तारी के समय वह सीएम के पद पर नहीं थे। हैरानी की बात नहीं है कि संसद परिसर में विपक्ष के 1 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के पीछे, केंद्रीय एजेंसियों के हाथों, हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का अनुभव भी था, जिसे रांची हाई कोर्ट ने ही निराधार पाया है और जमानत मंजूर कर



ली है। बेशक, इस विरोध के पीछे सिर्फ विपक्षी मुख्यमंत्रियों का ही मामला नहीं था। इसके पीछे मोदी-शाह द्वारा देश में स्थापित उस तानाशाहीपूर्ण निजाम के आम विरोध की भी आवाज थी, जिसके संदर्भ में विपक्षी मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली ही सही, पर सिर्फ हिमशैल का सतह के ऊपर दिखाई देने वाला छोर भर है। इसमें यूएपीए जैसे दमनकारी कानूनों के तहत, भीमा-कोरेगांव केस समेत पचासों बुद्धिजीवियों तथा सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की, मौजूदा सरकार की आलोचना विरोध करने के लिए गिरफ्तारियों और बिना कोई मामला चलाए महीनों-सालों तक जेल में डाले रखा जाना शामिल हैं। इस सिलसिले में हाल में चर्चा में रहे दो प्रकरणों की याद दिलाना ही काफी होगा। इनमें पहला है, हाल के चुनाव के नतीजे आने के फौरन बाद, दिल्ली के लैफ्टीनेंट गवर्नर की इजाजत से, प्रख्यात लेखिका तथा विचारक, अरुन्धती राय और कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व-प्रोफेसर शौकत हुसैन के खिलाफ 2010 के उनके भाषण के लिए, यूएपीए का केस थोपा जाना। यह पूरा मामला इतना बेतुका और बेढंगा है कि, संयुक्त राष्ट्र संघ के मानवाधिकार कार्यालय तक को, तुरंत इस मामले को वापस लिए जाने की मांग करनी पड़ी है। दूसरा मामला, समाचार पोर्टल न्यूजक्लिक के संस्थापक-संपादक, प्रबीर पुरकायस्थ की दमनकारी यूएपीए के ही तहत गिरफ्तारी का है, जिन्हें लगभग सात महीने जेल में बिताने के बाद, कुछ ही सप्ताह पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत देकर रिहा किया गया है। प्रबीर पुरकायस्थ को, उनके तथा उनके समाचार पोर्टल के खिलाफ अंतहीन जांच के बाद, पिछले साल के मध्य में एक अभूतपूर्व दमनकारी कार्रवाई के हिस्से के तौर पर, पोर्टल के मानव संसाधन विभाग के प्रमुख के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस कार्रवाई में समाचार पोर्टल से जुड़े पत्रकारों से लेकर, अंशकालिक रूप से उसके लिए सामग्री का योगदान देने वाले लेखकों-विद्वानों तक, पचास से ज्यादा लोगों के घरों पर पुलिस ने एक साथ छापा मारा था, उनसे पूछताछ की थी और सैकड़ों की संख्या में उनके लैपटॉप, फोन व अन्य उपकरण जब्त कर लिए थे, जो साल भर बाद भी वापस नहीं किए गए हैं। मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी की ही तरह, कम से कम किसी मीडिया संस्थान पर इस तरह के हमले की कार्रवाई, इमरजेंसी की कुख्यात सेंसरशिप के जमाने में भी नहीं हुई थी। इस सारे प्रसंग में इमरजेंसी की याद दिलाने वाला एक अतिरिक्त तत्व यह था कि प्रबीर पुरकायस्थ को, तत्कालीन शासन का विरोध करने के लिए, इमरजेंसी के दौरान भी इसी प्रकार जेल का मुंह देखना पड़ा था। तब संबंधित अति-दमनकारी प्रावधान का नाम मीसा था और इस बार यूएपीए। इस सबके साथ एक और संयोग और जोड़ लें। जिस दिन संसद की कार्रवाई की शुरूआत, केंद्रीय एजेंसियों के सरकार के आलोचको विरोधियों के खिलाफ दुरुपयोग के विरुद्ध, विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन से हुई, उसी सुबह से देश में तीन नये आपराधिक कानून लागू हो गए।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), जाब्ता फौजदारी (सीआरपीसी) और साक्ष्य कानून (एवीडेंस एक्ट) की जगह लेने के लिए बनाए गए नये तीन आपराधिक कानूनों की व्यापक रूप से हो रही आलोचनाओं में इन्हें दमनकारी और पुलिस राज्य की ओर ले जाने वाले कानून बताया जा रहा है, जो गलत नहीं लगता है। इन कानूनों में सजाओं को कड़ा करने तथा उनका दायरा बढ़ाने के अलावा जिनमें पुलिस हिरासत की अवधि पंद्रह दिन से बढ़ाकर तीन महीना करना तक शामिल हैं, नये अपराध जोड़कर अपराधों का दायरा भी बढ़ाया गया है। मिसाल के तौर पर राजद्रोह की धारा इस नाम से तो खत्म कर दी गयी है, लेकिन वास्तव में कथित राजद्रोह का दायरा बढ़ाकर, शासन के तमाम विरोध को इसके दायरे में समेटने का इंतजाम किया गया है। यह संयोग ही नहीं है कि इन कानूनों को संसद के शीतकालीन सत्र में, दोनों सदनों में करीब डेढ़ सौ विपक्षी सांसदों को यानी अधिकांश विपक्ष को निलंबित करने के बाद, बिना किसी समुचित बहस के ही पारित कराया गया था और संसदीय समिति में विपक्ष द्वारा दर्ज कराई गयी आपत्तियों को पूरी तरह से अनदेखा ही कर दिया गया था। बेशक, इन कानूनों के प्रस्तावक गृहमंत्री अमित शाह इनके भारतीयों द्वारा भारतीयों के लिए तथा भारतीय संसद द्वारा निर्मित और औपनिवेशिक आपराधिक न्याय कानूनों का अंत करने वाले कानून होने का दावा करते हैं, लेकिन इन कानूनों में हिंदी के नाम के सिवा शायद ही कुछ है, जिसे सचमुच भारतीय कहा जा सकता हो। जैसा कि पूर्व-गृहमंत्री पी चिदंबरम ने कहा है, इन कानूनों में 90 से 95 फीसद तक तो, पिछले कानूनों से कापी-पेस्ट ही किया गया है, बस धाराओं के नंबर बदल दिए गए हैं। अमित शाह का यह कहना तो सही है कि औपनिवेशिक दौर के कानून सजा पर केंद्रित थे, लेकिन उनके लाए कानूनों के न्याय को प्राथमिकता देने के उनके दावे से ठीक उलट, इन नये कानूनों का सारा जोर सजाओं को और भी कड़ा करने पर ही है। यह कुल मिलाकर ऊंची दुकान और कड़ुए पकवान का ही मामला है। मोदी राज की इस हकीकत के सामने, मोदी से लेकर लोकसभा के स्पीकर से होते हुए, राष्ट्रपति के अभिभाषण तक इमरजेंसी, 49वीं सालगिरह पर इमरजेंसी का याद किया जाना, पाखंड से भी ज्यादा, मौजूदा तानाशाही को ढांपने की तिकड़म ही लगता है। इमरजेंसी को सचमुच याद करने का मतलब है, इस बढ़ती चौतरफा तानाशाही का विरोध करना।

# टालने की आदत छोड़े,पीड़ित की सुनवाई करें: योगी

## प्रशिक्षु आईएएस अफ्सरों से मिले मुख्यमंत्री अभी से तय कीजिए दृष्टि और दिशा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

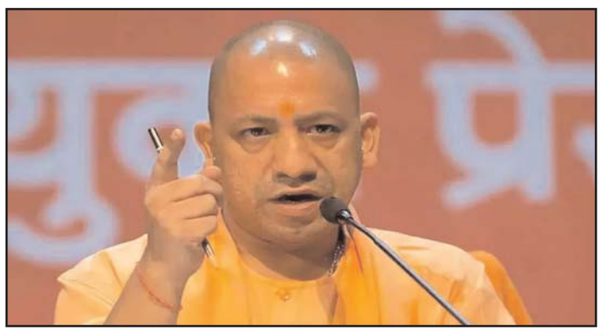

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास 5 -केडी पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित 2023 बैच के प्रशिक्षु अफ्सरों से मुलाकात की। सीएम ने शुभकामनाएं देते हुए अफ्सरों का मार्गदर्शन किया। सीएम ने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्या का समाधान होगा। सीएम ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में किए गए कार्यों के बारे में भी अफ्सरों से जानकारी ली। शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतरीन पारी खेलिए और कुछ नयापन दीजिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत है। फील्ड में जाएं तो आमजन से संवाद स्थापित करें। संवाद शून्य होने से लोगों में असंतोष होता है। उनसे अच्छा व्यवहार करें और कार्यों में शुचिता बरकरार रखें। इससे छवि अलग और अतुलनीय बनेगी। आम आदमी की किसी भी समस्या को छोटी न समझें, क्योंकि पीड़ित के लिए वह समस्या काफी मायने रखती है। समस्या का समाधान हो जाता है तो वह अधिकारी आमजन का विश्वास हासिल कर लेता है। जमीनी धरातल पर जुड़े लोगों से कभी कटें नहीं। समस्या को बड़ी न बनने दें, बल्कि संवाद के जरिए उसका तत्काल रास्ता निकालें। प्रशिक्षु अधिकारी जनप्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित करें। सीएम ने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और अपने कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्या का समाधान होगा। सीएम ने प्रशिक्षण के दौरान फील्ड में किए गए कार्यों के बारे में भी अफ्सरों से जानकारी ली। सीएम ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतरीन पारी खेलिए और कुछ नयापन दीजिए। टालने की आदत छोड़ें। पीड़ित की सुनवाई करें। टालने की आदत से असंतोष पैदा होता है। यह आदत ठीक नहीं। समय पर निर्णय लेने की आदत डालें। आईजीआरएस-सीएम हेल्पलाइन की शिकायत हमारे पास इसलिए आती क्योंकि सुनवाई स्थानीय स्तर पर ठीक से नहीं होती। पीड़ित की सुनवाई करें। मेरिट के आधार पर समयसीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण करें। सीएम ने यह भी कहा कि प्रतिदिन एक घंटा जनता की सुनें। जनप्रतिनिधियों व संगठनों की समस्याएं भी सुनें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशिक्षु अफ्सरों से कहा कि सीखने और पढ़ने की आदत निरंतर रखें। शासन से कोई जीओ गया है तो उसे स्वयं पढ़ें, न कि किसी अन्य पर निर्भर रहें। आपकी दृष्टि औरों से अलग होगी। इसे पढ़कर रिजल्ट में बदलें। प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अच्छा मॉडल दें। इससे अधीनस्थ भी कार्यों में रूचि लेंगे। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें। मॉडल विलेज बनाने की तरफ सोचें। ग्रामीणों से संवाद करें, श्रमदान के जरिए भी कई कार्य प्राथमिकता से हो सकते हैं। अफ्सर के रूप में नगर निकायों, तहसीलों, थाने और ब्लॉक को स्वावलंबी बनाएं। सीएम ने अफ्सरों को सीख दी कि गलत तत्वों से हर हाल में दूरी बनाएं। घर की बजाय लोगों को ऑफिस में बुलाएं और वहीं संवाद बनाएं। जो प्रशिक्षु अफ्सर सीएम से मिलने पहुंचे ,उनमें अनुभव सिंह, दीपक सिंहवाल, गुंजिता अग्रवाल, ईशिता किशोर, काव्या सी, महेंद्र सिंह, चलुआ राजू, नारायणी भाटिया, नितिन सिंह, रिंकू सिंह राही, साहिल कुमार, साई आश्रित शाखामूरी, शिशिर कुमार सिंह, स्मृति मिश्रा, स्वाति शर्मा और वैशाली शामिल रहे।

### मां को न्याय दिलाने की कोशिश में लगी बेटी के साथ गैंगरेप

**लखनऊ।** सम्पत्ति के लालच में अपनों के हाथों बेहद क्रूर और दिल दहला देने वाली घटना की शिकार हुयी युवती का मामला सामने आया है। इस मामले में सालों से बंधक अपनी मां को छुड़ाने के बाद उसके साथ हुये अन्याय का पर्दाफाश कर दोषियों को सजा दिलाने में जुटी 22 वर्षीय उसकी बेटी खुद ही गैंगरेप का शिकार हो गयी। नामजद रिपोर्ट के बावजूद न्याय पाने के लिये दर-दर की ठोकरें खा रही मां-बेटी हिन्दूवादी संगठन हिन्दू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में पहुंचकर आरोपियों के खिलाफकारररवाई की मांग कर न्याय की गुहार लगायी। असल मामला गैंगरेप पीड़िता को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद स्थित ननिहाल में विरासत में मिली 350 बीघा जमीन का है। जिसको हड़पने के लिये बीते 34 वर्षों से पीड़िता के चचाजात मामा और उनके बच्चे कोशिश में लगे हुये है। इस क्रूर और दिल दहला देने वाले मामले में सगे मामा, बहन आदि लोगों की हत्याओं और मां को वर्षों तक बंधक बनाकर रखने वाले आरोपियों को सजा दिलाने के लिये सुबूत जुटाने में जुटी युवती के पकड़े जाने के बाद आरोपियों ने उसके साथ बीते 13 मार्च को कचेहरी से अपहरण कर गैंगरेप किया, क्रूरता की सारी हदें तब और पार हो गयी गैंगरेप के बाद बोरी में बांधकर ट्रेन में ले जाकर टॉयलेट में बारी-बारी से एक बार फिर रेप को अंजाम दिया और अर्धचेतन अवस्था में छोड़कर भाग गये। ट्रेन यात्रियों और अन्य लोगों की मदद से कपड़े पहनने को मिले और दिल्ली में हिन्दू महासभा के पदाधिकारियों के सहयोग से इम्तियाज हुसैन, इरफान हुसैन, अफ्सर हुसैन और इसरार हुसैन के नाम एफआईआर दर्ज करायी और दिल्ली पुलिस ने अरूणा आसफ अली हॉस्पिटल में मेडिकल कराया, जिसकी रिपोर्ट में गैंगरेप की पुष्टि हुयी।

# इस बात की गारंटी कौन लेगा कि पुलिस भर्ती, एआरओ, परीक्षा में फिर घपला-घोटाला नहीं होगा: अखिलेश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पेपर लीक मामले को लेकर एक बार फिर सरकार पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि विभिन्न परीक्षाओं का पेपर लीक होना, परीक्षा में सेंटर से लेकर सॉल्वर तक की धांधली होना, परीक्षा कराने वाली एजेंसी का काम शक के घेरे में आना, रिजल्ट में ग्रेस मार्क्स की हेराफेरी होना, मनचाहे सेंटर मिलना, एक ही सेंटर से कई कैंडिडेट का सेलेक्ट होना और 100: आना केवल एग्जाम मैनेजमेंट की समस्या नहीं है। अखिलेश ने कहा कि इन सबसे बढ़कर ये एक मानसिक त्रासदी है जिससे न केवल परीक्षा देने वाले युवा बल्कि उनके माता-पिता भी ग्रसित हो रहे हैं। अगर पुलिस भर्ती, एआरओ, नीट जैसी धांधली की शिकार अन्य परीक्षाएं रद्द होकर दोबारा होती भी हैं तो इस बात की गारंटी कौन लेगा कि अगली बार परीक्षा आयोजित किये जाने पर ऐसा कुछ भी घपला-घोटाला नहीं होगा। जब सरकार वही है और उसकी व्यवस्था भी वही है तो ये सब धाँधलियाँ कहीं फिर से सरकार संरक्षित 'परीक्षा माफ़ियाओं' के लिए पैसा कमाने का जरिया न बन जाएं। युवा मानस वैसे ही बहुत नाजुक होता है, ऐसे में उनको संभालना माता-पिता के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती होता है। ऐसी घटनाओं से हताश-निराश होकर, जब माता-पिता खुद व्यवस्था पर भरोसा खो देते हैं और उन्हें अपने बच्चों का भविष्य अंधकारमय दिखने लगता है तो भला वो क्या अपने बच्चों का सहारा बनेंगे। इसलिए सरकार इस संकट को एक मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी देखे और कम-से-कम युवाओं के मामलों को अपने चौतरफा भ्रष्टाचार से मुक्त रखे। ये देश के भविष्य का सवाल है।

# मान्यता प्राप्त पत्रकार जयप्रकाश गुप्ता को डिप्टी सीएम द्वारा सम्मानित किया गया

हरि ओम सिंह/ब्यूरो चीफ अयोध्या प्रयाग दर्पण।

अयोध्या बीते दिनों राजधानी लखनऊ में हिंदी दैनिक समाचार पत्र अवधनामा के स्थापना दिवस समारोह पर गोसाईगंज के वरिष्ठ पत्रकार तथा जनपद अयोध्या धाम के मान्यता प्राप्त पत्रकार जय प्रकाश गुप्ता को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा मोमेंट देकर सम्मानित किए जाने पर गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद श्रीमती आरती जयसवाल, सभासद ध्रुव भोजवाल, सभासद रविंदर यादव,सभासद अवधेश स्वर्णकार,सभासद प्रतिनिधि जगदंबा कशोधन, आलोक अंगियार सहित अन्य ने प्रसन्नता व्यक्त की हैं! सभासद श्रीमती जायसवाल ने कहा कि कस्बे के तेलियागढ़ निवासी मान्यता प्राप्त पत्रकार जय प्रकाश गुप्ता को सम्मान मिलने से जहां कस्बेवासियो का मान बढ़ा है वही लोगों में खुशी भी व्याप्त है!पत्रकार श्री गुप्ता की इस उपलब्धि पर जनमोर्चा के पत्रकार व सभासद प्रतिनिधि दिनेश कुमार जायसवाल, पत्रकार कपिल देव अंगियार,केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के नगर अध्यक्ष हेमंत कसौधन,समाजसेवी हनुमान सोनी,कसौधन समाज के निवर्तमान नगर उपाध्यक्ष अजय कशोधन,पूर्व प्रधान चिरकिटहा नागेंद्र नाथ गोस्वामी,व्यापारी नेता अरविंद सिंह,पूर्व सभासद व तमसा बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अशोक चौरसिया सहित अन्य ने प्रसन्नता व्यक्त किया है!

# वाणिज्य बंधु की बैठक में उठा बाजारों में अतिक्रमण का मुद्दा

## जिलाधिकारी को सौंपा व्यापारियों की समस्याओं का ज्ञापन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**लखनऊ।** लखनऊ कलेक्ट्रेट स्थित अब्दुल कलाम सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वाणिज्य बंधु की बैठक हुई,जिसमें आदर्श व्यापार मंडल सहित राजधानी के कई व्यापार मंडल बैठक में शामिल हुए। व्यापारी नेता संजय गुप्ता सहित सभी व्यापारी नेताओं ने भूतनाथ, अमीनाबाद ,पत्रकारपुरम ,नाका चारबाग बाजारों में अतिक्रमण का विषय जोर शोर से बैठक में उठाया।जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने प्रमुख व्यापारी नेताओं से बाजारों से अतिक्रमण हटाने के लिए कार्य योजना बनाने तथा सुझाव देने की बात कही।उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उनसे कहा शासन द्वारा मेट्रो लाइन के 500 मीटर के अंदर ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट योजना लागू की गई है किंतु राजधानी में आवास विकास विभाग द्वारा अभी तक ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट योजना को प्रभावी नहीं किया गया है जबकि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इसको प्रभावी कर दिया है इस कारण आवास विकास की सीमा में आने वाले व्यापारियों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है उन्होंने जिलाधिकारी से इस हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश देने की मांग की। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल अयोध्या रोड के अध्यक्ष इकबाल हसन ने लक्ष्मण पुरी अयोध्या रोड पर जल भराव की समस्या का मुद्दा उठाया तथा पत्र दिया उन्होंने कहा कि बारिश में लक्ष्मणपुरी में जल भराव की समस्या के कारण व्यापारियों की दुकानों पर पानी घुस जाता है जिससे व्यापारियों का नुकसान होता है उन्होंने बारिश के पानी की निकासी हेतु उचित व्यवस्था तत्काल करवाने की मांग की। सिंगल यूज प्रतिबंधित पॉलीथिन का मुद्दा भी उठाया। छोटे व्यापारियों पर बीच-बीच में नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जाती है इसके स्थान पर यदि उत्पादन इकाइयों पर कार्रवाई की जाय। उत्पादन बंद कर दिया जाए तो समस्या का स्थाई समाधान होगा। लोहिया अस्पताल मार्केट के सामने खुले नाले को ढकने तथा गेट नंबर 8 के ठीक सामने सैकड़ो निजी एंबुलेंस खड़ी किए जाने के कारण हो रही अव्यवस्था तथा लोहिया अस्पताल मार्केट में अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया।

### चोरी के शक में दो बच्चों को पीटा-घसीटा, सामान चुराने का लगाया आरोप

**उरई/जालौन।** जालौन में चोरी के शक में पकड़े गए दो बच्चों को युवकों ने पीटा। दोनों को सड़क पर घसीटा। बच्चों से मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। मारपीट के दौरान भीड़ तमाशबीन बनी रही। किसी ने भी बच्चों को बचाने की कोशिश नहीं की। वीडियो वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई। मारपीट करने वाले युवकों और बच्चों के बारे में पता लगा रही है। वायरल वीडियो उरई कोतवाली क्षेत्र के कालपी रोड स्थित एक होटल के पास का है। बताया गया है कि यहां दो नाबालिग को दो युवकों ने चोरी के शक में पकड़ लिया। साथ ही उन बच्चों के की पिटाई शुरू कर दी। इतना ही नहीं बच्चों की पिटाई होते देख वहां से निकलने वाले लोगों की भीड़ जमा हो गई, मगर किसी भी व्यक्ति ने पिट रहे बच्चों को बचाने का प्रयास नहीं किया। इतना ही नहीं उन युवकों को रोकने का प्रयास भी नहीं किया और सभी लोग मूकदर्शक बने तमाशा देखते रहे। इस बीच एक युवक दोनों बच्चों को घसीटते हुए अपने साथ ले गया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बच्चों को युवकों द्वारा पीटते हुए और उन्हें घसीट कर ले जाते हुए वीडियो बना लिया।

### 08 जुलाई से शुरू होगी विवि के स्नातक पाठ्यक्रमों की काउंसिलिंग

**अयोध्या।** डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणाम को देखते हुए परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन तिथि विस्तारित की। अब अभ्यर्थी 27 जुलाई तक प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। मंगलवार को कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कौटिल्य प्रशासनिक भवन में प्रवेश समिति के समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार से समीक्षा के उपरांत छात्रहित को देखते हुए तिथि विस्तारित की। वहीं दूसरी ओर आवासीय परिसर के स्नातक व वोकेशल स्नातक, पाठ्यक्रमों की प्रवेश काउंसिलिंग 8 जुलाई से शुरू होगी। इससे पहले 04 जुलाई तक अभ्यर्थियों को अपने ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार का मौका मिलेगा। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की साइट पर अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। आवासीय परिसर के प्रवेश समन्वयक प्रो0 शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि स्नातक परीक्षा परिणाम में विलम्ब को देखते हुए परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि विस्तारित की गई है। वहीं विवि एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में एलएलबी, एलएलएम, एमएड, बीफार्मा, डीफार्मा की प्रवेश परीक्षा 10 जुलाई को कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि आवासीय परिसर के स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश काउंसिलिंग 08 जुलाई से शुरू कराई जायेगी। इससे पहले विषयवार मेरिट लिस्ट विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जायेगी। स्नातक में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को अपने आवेदन में यदि कोइ संशोधन करना है तो वे उसे 05 जुलाई से पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर संशोधन कर सकते हैं। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश काउंसिलिंग की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दी जायेगी।

# पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या द्वारा सेवानिवृत्त मुख्य आरक्षी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया

हरि ओम सिंह/ब्यूरो चीफ अयोध्या प्रयाग दर्पण।

**अयोध्या।** पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय अयोध्या परिक्षेत्र, अयोध्या में नियुक्त मुख्य आरक्षी चालक श्री राम के सेवानिवृत्ति के अवसर पर पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमान् पुलिस महानिरीक्षक, अयोध्या परिक्षेत्र श्री प्रवीण कुमार द्वारा मुख्य आरक्षी चालक श्री राम को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया एवं उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करते हुए कर्तव्य निष्ठा की सराहना की गयी। परिक्षेत्रीय कार्यालय में नियुक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्य आरक्षी चालक श्री राम को माल्यार्पण करते हुए उपहार भेंट कर बधाई दी। विदाई समारोह कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपनिरीक्षक रणजीत यादव ने अमरूद का पौधा भेंटकर शुभकामनाएं दिया। आजमगढ़ के मूल निवासी श्रीराम के चार सुपुत्रों में बड़े विमलेश कुमार उत्तर प्रदेश पुलिस में मुख्य आरक्षी के पद पर नियुक्त हैं दूसरे पुत्र संतोष कुमार नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या में लिपिक पद पर तीसरे पुत्र पंकज सरोज छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमान्डेंट पद पर नियुक्त हैं और चौथे पुत्र सूरज कुमार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में दिल्ली में अध्ययनरत हैं।

### स्मार्ट फोन व टैबलेट मिले तो खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे

बांदा। पंडित जेएन डिग्री कॉलेज में छात्र-छात्राओं को टैबलेट और स्मार्ट फोन मिले तो उनके चेहरे खिल उठे। कॉलेज की कमेटी ने करीब 200 छात्र-छात्राओं को स्मार्ट फोन व टैबलेट सौंपे। छात्र-छात्राओं ने कहा कि वह इनका प्रयोग पढ़ाई में करेंगे और आगे परीक्षाओं में प्रदर्शन करेंगे। पंडित जेएन महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो.केएस कुशवाहा की देखरेख में बीएड के छात्र-छात्राओं को स्मार्ट फोन और एमए तथा एमएससी के सभी विषयों के छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिए गए। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव की वजह से यह छात्र-छात्राएं टैबलेट और स्मार्ट फोन से वंचित रह गए थे। अब इन्हें वितरित किए जा रहे हैं। कॉलेज के प्रो.एसएन त्रिपाठी, डॉ.मनोज अस्थान, सर्वेश निगम व डीके सिंह आदि की समिति ने सभी पात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन सौंपे। छात्रा मुस्कान, बबिता, अर्चना आदि ने कहा कि टेबलेट मिलने के बाद वह बेहद खुश हैं।

# संविदा सफाई कर्मियों का 18 साल बाद भी नियमितीकरण नही- वाल्मीकि

**लखनऊ।** नगर पालिका और नगर पंचायतों में 2006 में सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की सरकार में सफाई कर्मचारियों के रिक्त सृजित पदों पर संविदा के रूप में तमाम ट्रेड यूनियन के विरोध के बाद उत्तर प्रदेश की भर्ती की गई।चंदन लाल वाल्मीकि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष वंचित शोषित सामाजिक संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ महादलित परिसंघ ने कहा नेताजी चाहते थे यह भर्ती नियमित हो, बाबजूद इसके नगर निगम मेरठ और नगर पालिका परिषद पीलीभीत को छोड़ कर पूरे प्रदेश की नगर निगम नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में नगर आयुक्त और जिला अधिकारी द्वारा गठित कमेटी द्वारा अनुभवी और योग्य सफाई कर्मचारियों की आरक्षण व्यवस्था का पूर्ण पालन कर भर्ती की गई। इस भर्ती को हुए 18 वर्ष हो जाने के बाद भी उन्हें अभी तक नियमित नहीं जो राज्य सरकार का असंवैधानिक कार्य है।भारत का संविधान लोक कल्याण के लिए कार्य करता है, संविधान में उल्लेख है कि केन्द्र व राज्य सरकारें लोक कल्याण के लिए कार्य करेंगी। किसी बेरोजगार व्यक्ति का उसकी बेराजगारी का लाभ उठा कर उसके कम वेतन पर अर्थात संविदा के रूप में रख कर एक लम्बे समय तक कार्य कराना यह संविधान के विरूद्ध है। इससे उसकी आयु भी प्रभावित होती है, कम वेतन के कारण उसकी सामाजिक, आर्थिक स्थिति भी असुरक्षित होती है। संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है। साफ सफाई का काम बारामासी काम है। सफाई के काम में संविदा,ठेका प्रथा बन्द होनी चाहिए। नियमित प्रकृति के कार्यों के लिए नियमित भर्ती की जानी चाहिए। जो पूर्व में संविदा की भर्ती हुए है उन्हें 18 वर्ष की निरन्तर सेवा करने के बाद नियमित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

### एलयू मेगा प्लांटेशन ड्राइव का आयोजन, पर्यावरण सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना उद्देश्य

**लखनऊ।** लखनऊ विश्वविद्यालय के सकेंड कैंपस में भेषजिक विज्ञान संस्थान (इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज) के नए भवन में मेगा प्लांटेशन ड्राइव का आयोजन किया गया। यह ड्राइव विश्वविद्यालय का आयोजन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देशन में किया गया। जहां छात्रों, शिक्षकों और अन्य अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर डायरेक्टर सेकंड कैंपस डॉ. आरके सिंह, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी विभाग प्रो. ऐके सिंह, डीन फैकल्टी ऑफ लॉ डीन, बी0 डी0 सिंह, कार्य अधीक्षक, सेकंड कैंपस डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, भेषजिक विज्ञान संस्थान निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, विश्वविधालय के अन्य पदाधिकारी एवं संस्था के फैकल्टी मेंबर्स उपस्थित रहे।

मेगा प्लांटेशन ड्राइव के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभाग के छात्रों ने उत्साह पूर्वक इस अभियान में भाग लिया। विभिन्न प्रकार के स्वदेशी छायादार एवं फलदार पेड़ प्रजातियों का रोपण किया गया। सर्पगंधा, अशोक, रोज मेरी, मधुपत्र, पिप्पली, धतूरा, तुलसी, कनेर, मकोय, परिजात, पुदीना, हिना, सुगंधरा, गुगुल, खस, जेरेनियम आदि औषधीय पौधे लगाए गए।

# आप ऐसे हिंदुओ का अपमान नहीं कर सकते: चौधरी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

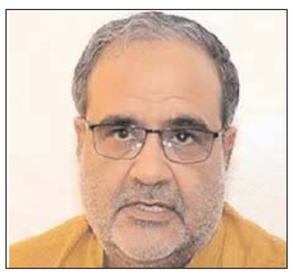

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर मीडिया से मुखातिब पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि लगातार तीसरी बार फेल और बार-बार लॉन्च के बावजूद फेल हो चुके राहुल गाँधी का नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहला भाषण झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों से भरा हुआ था। उनका भाषण के दौरान आचरण संसदीय गरिमा के अनुरूप बिलकुल नहीं था। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा हो रही थी, राहुल गाँधी ने उस बाबत औपचारिकतावश भी एक शब्द नहीं बोला। सदन में राहुल गाँधी ने केवल और केवल झूठ बोला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को राहुल गांधी का ज्ञानवर्धन करना चाहिए और समझाना चाहिए कि भारत की संसदीय गरिमा को कम न करें।श्री चौधरी ने कहा कि राहुल गाँधी ने अपने भाषण में न केवल हिंदुओं का घोर अपमान किया, न केवल हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताया बल्कि अग्निवीर, किसान, अयोध्या, माइक-सब पर झूठ और केवल झूठ बोला। राहुल गाँधी को हिंदुओं का अपमान करने के लिए और सदन में झूठी बयानबाजी करने के लिए देश की जनता से अविलंब माफी मांगनी चाहिए। 99 सीटें जीतने पर ये हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बता रहे हैं, ये बताता है कि इनकी असल मंशा क्या है? सच्चाई सबको पता है कि 1984 में सिखों का नरसंहार किसने किया था। सच्चाई ये है कि आपातकाल में आम लोगों को प्रताड़ित किसने किया था? सच्चाई ये है कि संतों पर गोलियां किसने चलवाई थी? उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी पश्चिम बंगाल में हुई घटनाओं पर कुछ नहीं बोलते, तमिलनाडु में हिज्ब-उत-तहरीर की मंशा पर कुछ नहीं बोलते, केरल में अपने सहयोगी की हिंसा भड़काने की तहरीरों पर कुछ नहीं बोलते लेकिन हिंदुओं को हर बार बदनाम करते हैं। 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2013 में पूर्व गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भी हिंदुओं को आतंकवादी बताया था। 2021 में राहुल गांधी ने हिन्दुत्ववादियों को देश से बाहर निकालने को कहा था और आज सम्पूर्ण हिंदुओं को असत्यवादी और हिंसक कहा। 20 जनवरी 2013 को यूपीए सरकार में तत्कालीन गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने जयपुर में यह कहा था कि भाजपा और आरएसएस की तरफ से हिंसक गतिविधियां और ट्रेनिंग कैम्प चलाए जा रहे हैं। जब सदन पटल पर उनसे इस विषय पर सवाल पूछा गया, तो 20 फरवरी 2013 को सुशील कुमार शिंदे ने खेद व्यक्त किया था। राहुल गांधी को सुशील कुमार शिंदे से सीख लेते हुए खेद व्यक्त करना चाहिए। अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि जब आप सत्ता में थे, तो आपके पास सभी चीजें थी, तब भी आपने झूठ बोला और सदन के पटल पर गलती मानी। आज भी झूठ बोल रहे हैं। सदन में भगवान् शंकर, गुरु नानक देव के चित्र दिखाना गलत, अभय मुद्रा पर भी गलत बातें की। संसद में राहुल गांधी ने अभय मुद्रा की बात करते हुए इस्लाम में भी अभय मुद्रा बता दी जबकि इस्लाम में कोई चित्र नहीं होता है, तो उन्हें अभय मुद्रा कहाँ से दिख गई? राहुल गाँधी को कोई इल्म हुआ है या ऊपर से कोई फजल हुआ है कि उन्हें अभय मुद्रा दिख गई? संसद में जिस तरह से भगवान शंकर के चित्र को दिखाया जा रहा था, वह बेहद ही आपत्तिजनक था। इसपर लोकसभा अध्यक्ष ने भी कहा था कि जिनको हम पूजते हैं, उनके ऐसे चित्र यहाँ प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं। राहुल गांधी शिव की तस्वीर दिखा रहे थे और कहते हैं कि हम हिंदू धर्म की शक्ति से लड़ेंगे, जबकि शिव और शक्ति एक ही हैं।प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने प्रश्न किया कि राहुल गांधी ने बहुत सारे ईश्वर का नाम लिया लेकिन राहुल गांधी ने लोकसभा में ईश्वर के नाम की शपथ क्यों नहीं ली? राहुल गांधी ईश्वर के नाम की शपथ नहीं ले रहे हैं और ईश्वर में निष्ठा नहीं रख रहे हैं, तो फिर ईश्वर के चित्र क्यों दिखा रहे हैं? उन्होंने कहा कि 2014 में राहुल गांधी ने शपथ ईश्वर के नाम की ली थी, तो फिर 2014 से 2024 में ऐसा क्या बदल गया कि वे ईश्वर के नाम की शपथ से सत्यनिष्ठा पर आ गए हैं और फिर सदन के पटल पर ईश्वर के चित्र दिखाने लगे। संसद में राहुल गाँधी ने कहा कि अग्निवीर योजना में शहीदों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाता, इससे बड़ा झूठ हो नहीं सकता है।

### केसीसी बनवाने के नाम पर अधिवक्ता के साथ 10 हजार की ठगी

**बांदा।** अधिवक्ता के साथ केसीसी बनवाने के नाम पर 10 हजार रुपये की ठगी की गई। अधिवक्ता की तहरीर पर बैंक कर्मी के खिलाफ धोखाधड़ी की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। शहर कोतवाली क्षेत्र के बजरंग कॉलोनी अलीगंज निवासी अधिवक्ता हरिओम तिवारी ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसने अमर टाकीज स्थित एचडीएफसी बैंक शाखा में तैनात कर्मी आदर्श पांडेय से साल भर पहले केसीसी की लिमिट बढ़वाने तथा सहखातेदार बदलने के संबंध में कागजात दिए थे। इस पर कर्मी आदर्श ने उससे 10 हजार रुपये मांगे थे। अधिवक्ता ने उसे 10 हजार रुपये दिए थे।

लेकिन दिसंबर माह तक आदर्श पांडेय ने उसका काम नहीं किया। जब उसने उससे पूछा और कागजात और पैसा लौटाने को कहा तो कर्मी ने उसके साथ अभद्रता की। अधिवक्ता की तहरीर पर बैंक कर्मी के खिलाफ कोतवाली नगर में रिपोर्ट दर्ज की गई है। कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

# आईएएस अधिकारी किंजल सिंह ने दर्ज कराई,यूट्यूबर के खिलाफ एफआईआर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**लखनऊ।** आईएएस अधिकारी किंजल सिंह ने यूट्यूबर के खिलाफ गोमतीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आईएएस अधिकारी किंजल सिंह का आरोप है कि यूट्यूबर उस्मान सैफी द्वारा उनके स्वर्गवासी माता-पिता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए वीडियो बनाया गया है। वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाया गया है।यूट्यूबर उस्मान सैफी द्वारा 20 जून को अपने यूट्यूब चौनल उस्मान सैफी सफर पर एक वीडियो अपलोड किया गया था। वीडियो में उस्मान सैफी में आईएएस ऑफिसर किंजल सिंह की मां विभा सिंह और उनके पिता डिप्टी एसपी केपी सिंह की मौत को लेकर बनाया गया था। वीडियो आईएएस ऑफिसर किंजल सिंह के पास तक पहुंचा तो उन्होंने लखनऊ के गोमती नगर थाने में पुलिस से शिकायत की।किंजल सिंह गोमती नगर के विपुल खंड में रहती हैं। किंजल सिंह का आरोप है कि उस्मान सैफी सफर नाम की यूट्यूब चैनल और ब्लॉग पर उनके माता-पिता से जुड़ा वीडियो पोस्ट किया गया। वीडियो बनाने वाले शख्स द्वारा वीडियो उनके प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और चरित्र हनन के लिए वायरल किया गया है। आईएएस अधिकारी का कहना है कि यह जानकारी पूरी तरह से भ्रामक है।वीडियो बनाने से पहले इस बारे में उनके या उनके परिवार से किसी भी सदस्य के बारे में तथ्यों को सत्यापित नहीं किया गया है। न ही कोई जानकारी ली गई है। ऐसे में आईएएस ऑफिसर द्वारा यूट्यूबर के खिलाफधारा 501 और 66 आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया है।

# इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी, धर्मांतरण पर चिंता, धार्मिक सभाओं पर रोक लगाने की सिफारिश

प्रयाग दर्पण संवाददाता




**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्मांतरण के मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अगर धार्मिक सभाओं में इस तरह से धर्मांतरण होता रहा तो एक दिन भारत की बहुसंख्यक आबादी अल्पसंख्यक में बदल सकती है। यह टिप्पणी एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें धार्मिक सभाओं पर रोक लगाने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को मानने, पालन करने और प्रचार करने का अधिकार देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई व्यक्ति दूसरों का धर्म परिवर्तन कराए। न्यायाधीश रोहित रंजन अग्रवाल ने कहा कि गरीब लोगों को गुमराह कर उनका धर्म परिवर्तन कराना अनुचित है और इसे रोकने की आवश्यकता है। इस मामले में न्यायाधीश रोहित रंजन अग्रवाल ने एक आरोपी कैलाश की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। आरोप है कि कैलाश ने एक गांव के सभी लोगों को ईसाई धर्म में परिवर्तित कर दिया। रामकली प्रजापति ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कैलाश ने उनके मानसिक रूप से बीमार भाई रामफल को इलाज के बहाने दिल्ली ले जाकर धर्म परिवर्तन कराया और गांव के अन्य लोगों को भी इसके लिए मजबूर किया। रामकली के अनुसार, कैलाश ने उनके भाई को काफी समय तक वापस नहीं लाया और बाद में गांव आकर कई लोगों को दिल्ली में आयोजित एक धार्मिक सभा में ले गया, जहां सभी का धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इसके बदले में उनके भाई को पैसे भी दिए गए। न्यायाधीश ने कहा कि संविधान धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म प्रचार का मतलब किसी का धर्म परिवर्तन कराना नहीं है। इस मामले में आरोपी कैलाश को जमानत नहीं दी जा सकती, क्योंकि उसके कार्य ने पूरे गांव की धार्मिक पहचान को बदलने का प्रयास किया है। यह फैसला उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है जो धर्मांतरण के लिए धार्मिक सभाओं का उपयोग कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाई जानी चाहिए ताकि देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को सुरक्षित रखा जा सके।

# थाना माण्डा पुलिस द्वारा 01 बाल अपचारी पुलिस संरक्षण में लिया गया व 01 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**प्रयागराज।** थाना माण्डा पुलिस द्वारा 01 बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया व 01 अभियुक्त मुनीम पुत्र प्रभुनाथ निवासी मोनाई थाना माण्डा प्रयागराज को दिनांक 30.06.2024 को नरवर चौकठा घाट मोड़ थाना क्षेत्र माण्डा से गिरफ्तार किया गया। कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल रजि0 सं0 UP70AD1797 हीरो होण्डा सीडी डान चेसिस सं0- 04E27F32376 रंग ब्राउन बरामद किया गया तथा निशादेही पर ग्राम नरवर चौकठा थाना क्षेत्र माण्डा से 04 मोटरसाइकिल 1.रजि0 सं0 - UP70CDz840 पैशन प्रो रंग- ग्रे, चेसिस सं0- MBLHA10AWBHE48173, 2.रजि0 सं0 - UP63AJ7694 होण्डा शाइन, रंग- नीला, चेसिस सं0- ME4JC73AAK7001634, 3.रजि0 सं0 - UP70CH4461 टीवीएस अपाची आरटीआर, रंग- काला, चेसिस सं0- MD644KE47B2L31685, 4. गाड़ी पर नम्बर प्लेट नहीं है और ना ही चेसिस नम्बर है, रंग- लाल, पैशन प्रो को बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 144/24 धारा 411 भा0द0वि0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण मुनीम पुत्र प्रभुनाथ निवासी मोनाई थाना माण्डा प्रयागराज उम्र करीब 25 वर्ष। पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0 144/2024 धारा 411 भा0द0वि0 थाना माण्डा कमिश्नरेट प्रयागराज। बरामदगी का विवरण कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल रजि0 सं0 UP70AD1797 हीरो होण्डा सीडी डान चेसिस सं0- 04E27F32376 रंग ब्राउन तथा निशादेही पर 04 मोटरसाइकिल 1. रजि0 सं0 - UP70CDz840 पैशन प्रो रंग- ग्रे, चेसिस सं0- MBLHA10AWBHE48173, 2.रजि0 सं0 - UP63AJ7694 होण्डा शाइन, रंग- नीला, चेसिस सं0- ME4JC73AAK7001634, 3.रजि0 सं0 - UP70CH4461 टीवीएस अपाची आरटीआर, रंग- काला, चेसिस सं0- MD644KE47B2L31685, 4. गाड़ी पर नम्बर प्लेट नहीं है और ना ही चेसिस नम्बर है, रंग- लाल, पैशन प्रो पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 सत्येश बाबू गौतम थाना माण्डा कमिश्नरेट प्रयागराज।2.उ0नि0 बाबू राम थाना माण्डा कमिश्नरेट प्रयागराज।3.का0 प्रेमचन्द्र थाना माण्डा कमिश्नरेट प्रयागराज।4.का0 विवेक यादव थाना माण्डा कमिश्नरेट प्रयागराज।

## संक्षिप्त समाचार

### थाना करैली का औचक निरीक्षण



**प्रयागराज।** पुलिस आयुक्त द्वारा थाना कोतवाली व थाना करैली का औचक निरीक्षण कर जन शिकायत कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, बंदी गृह एवं कार्यालय अभिलेखों की जांच कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपायुक्त, नगर व सहायक पुलिस आयुक्त अतरसुइया मौजूद रहे।

### अपहरण के अभियोग का 01 वांछित अभियुक्त थाना कौंधियारा पुलिस द्वारा गिरफ्तार,कब्जे से अपहृता बरामद

**प्रयागराज।** थाना कौंधियारा में पंजीकृत मु0अ0सं0-135/2024 धारा 363/366 भा0द0वि0 का वांछित अभियुक्त तालिम अंसारी पुत्र मुस्ताक अंसारी उर्फ लोलर निवासी मिश्रा बांध थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज को दिनांक 02.07.2024 को सड़वा नहर पुलिया के पास थाना क्षेत्र कौंधियारा से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त के कब्जे से अपहृता बरामद की गयी । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- तालिम अंसारी पुत्र मुस्ताक अंसारी उर्फ लोलर निवासी मिश्रा बांध थाना कौंधियारा जनपद प्रयागराज ।संबंधित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-135/2024 धारा 363/366 भा0द0वि0 थाना कौंधियारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 विपिन कुमार वर्मा थाना कौंधियारा कमिश्नरेट प्रयागराज । 2.का0 अनन्त चौधरी थाना कौंधियारा कमिश्नरेट प्रयागराज । 4.का0 सूर्यकान्त शुक्ला थाना कौंधियारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।5.का0 रंजीत यादव एसओजी यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज । 6.का0 जसवीर सिंह एसओजी यमुनानगर कमिश्नरेट प्रयागराज ।7.म0का0 प्रीति चौधरी थाना कौंधियारा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

### थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना सरायममरेज पर पंजीकृत मु0अ0सं0-126/2024 धारा-323/504/506/427/352/452/325/307 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 02 वांछित अभियुक्त 1. नरेन्द्र कुमार पुत्र लालचन्द्र पटेल 2. अनुराग कुमार पटेल पुत्र रामकैलाश निवासीगण ग्राम सरायआलम थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायममरेज पुलिस टीम द्वारा दिनांक-02.07.2024 को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत सिरसा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. नरेन्द्र कुमार पुत्र लालचन्द्र पटेल निवासी ग्राम सरायआलम थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 23 वर्ष ।2. अनुराग कुमार पटेल पुत्र रामकैलाश निवासी ग्राम सरायआलम थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 24 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-126/2024 धारा-323/504/506/427/352/452/325/307 भा0द0सं0 थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 विशाल कुमार गुप्ता, थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. हे0का0 सत्येन्द्र पाल, थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज।

### थाना उतरांव पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना उतरांव पर पंजीकृत मु0अ0सं0-243/2021 धारा-498(ए)/323/504/506/354/376 भा0द0सं0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सिकन्दर पुत्र स्व0 विशमिल्लाह निवासी कस्बा जलालपुर थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना उतरांव पुलिस टीम द्वारा दिनांक-02.07.2024 को थाना उतरांव क्षेत्रान्तर्गत कस्बा जलालपुर के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-सिकन्दर पुत्र स्व0 विशमिल्लाह निवासी जलालपुर कस्बा थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-243/2021 धारा-498(ए)/323/504/506/354/376 भा0द0सं0 व 3/4 डी0पी0 एक्ट थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 प्रवीण कुमार चक्रवर्ती, थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. का0 धनजी यादव, थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. का0 अमरेश यादव, थाना उतरांव कमिश्नरेट प्रयागराज ।

# वाराणसी में फेरी-ठेला व्यापारियों ने नगर निगम कार्यालय घेरा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**वाराणसी।** वाराणसी नगर निगम कार्यालय के बाहर फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के हजारों व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों का कहना है कि हमारी 5 सूत्रीय मांगों को जब तक नहीं माना जाएगा तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। धरना पर बैठे व्यापारियों का कहना है कि नगर निगम अतिक्रमण दस्ता से जब्त सामान छुड़ाने का नियम बहुत कठिन है। ज्यादा देर होने पर उनके सामान नष्ट हो जाते हैं। इससे पटरी व्यवसायी को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। नियम को सरल बनाएं। धरने पर बैठे व्यापारियों का धरना समाप्त करने के लिए अपर नगर आयुक्त मौके पर पहुंचे लेकिन सभी ने नगर आयुक्त से मुलाकात करने की बात कही। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर व्यापारियों का धरना जारी है। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के सचिव अभिषेक निगम ने आरोप लगाते हुए कहा- नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन वाराणसी की संयुक्त टीम फेरी पटरी ठेला व्यवसायियों की धारा 34 और धारा 151 में चालान पर सामान जब्त कर थाने पर ले जा रहे है। यह निंदनीय कार्यवाही है। चरणबद्ध ज्ञापन सौंपे जाने का निर्णय संघर्ष समिति द्वारा लिया गया था। प्रथम चरण में नगर आयुक्त नगर निगम वाराणसी को विभिन्न बिंदुओं की समस्याओं से अवगत कराया गया। इसका समाधान तत्काल नहीं हुआ तो अगले चरण में आंदोलन तीव्र होगा। अपर नगर आयुक्त अनिल यादव व्यापारियों को समझाने के लिए प्रयास किया लेकिन व्यापारियों ने नगर आयुक्त से बात करने की बात कही। इस पर अपर नगर आयुक्त ने नगर आयुक्त से फोन पर बात करके बुधवार दोपहर 12 बजे का समय दिया। इसमें वह फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के 7 सदस्यों से उसकी मांगों के समाधान के लिए वार्तालाप करने का समय दिया। नगर आयुक्त के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन बुधवात तक के लिए समाप्त किया।

# थाना फाफामऊ पुलिस द्वारा 03 अभियुक्त गिरफ्तार एवं 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से चोरी की 03 मोटर साइकिल बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**प्रयागराज।** थाना फाफामऊ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-172/2024 धारा-379 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 03 अभियुक्त 1. राहुल बिन्द पुत्र राजेन्द्र कुमार बिन्द निवासी मातादीन का पुरा थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज 2. शनी पासी पुत्र राजू पासी निवासी वीरभानपुर नहरा थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज 3. शिवम यादव पुत्र जितेन्द्र यादव निवासी मलाक बलऊ थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-02.07.2024 को थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत शान्तिपुरम स्थित एस0टी0पी0 प्लान्ट के पास से गिरफ्तार किया गया तथा 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया एवं कब्जे से चोरी की 03 मोटर साइकिल 1. हीरो स्प्लेण्डर प्लस वाहन सं0-UP72BE0832, 2. हीरो स्प्लेण्डर प्लस वाहन सं0-UP70FX1697, 3. हीरो होण्डा वाहन सं0-UP70BQ2681 बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा-411/420 भा0द0सं0 की बढ़ोत्तरी कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. राहुल बिन्द पुत्र राजेन्द्र कुमार बिन्द निवासी मातादीन का पुरा थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 21 वर्ष ।2. शनी पासी पुत्र राजू पासी निवासी वीरभानपुर नहरा थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 20 वर्ष ।3. शिवम यादव पुत्र जितेन्द्र यादव निवासी मलाक बलऊ थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 20 वर्ष ।सम्बन्धित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-172/2024 धारा-379 भा0द0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा-411/420 भा0द0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।अभियुक्त राहुल बिन्द उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-1. मु0अ0सं0-172/2024 धारा-379 भा0द0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा-411/420 भा0द0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. मु0अ0सं0-254/24 धारा-379 भा0द0सं0 थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. मु0अ0सं0-42/15 धारा-379 भा0द0सं0 थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।अभियुक्त शनी पासी उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-1. मु0अ0सं0-172/2024 धारा-379 भा0द0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा-411/420 भा0द0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. मु0अ0सं0-254/24 धारा-379 भा0द0सं0 थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. मु0अ0सं0-42/15 धारा-379 भा0द0सं0 थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।अभियुक्त शिवम यादव उपरोक्त का आपराधिक इतिहास1. मु0अ0सं0-172/2024 धारा-379 भा0द0सं0 व बढ़ोत्तरी धारा-411/420 भा0द0सं0 थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. मु0अ0सं0-254/24 धारा-379 भा0द0सं0 थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज । 3. मु0अ0सं0-42/15 धारा-379 भा0द0सं0 थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।बरामदगी का विवरण-1. हीरो स्प्लेण्डर प्लस वाहन सं0-UP70BQ2681 2. हीरो स्प्लेण्डर प्लस वाहन सं0-UP72BE0832 3. हीरो होण्डा वाहन सं0-UP70FX1697 गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण-1. व0उ0नि0 बृजेश चौरसिया, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।2. उ0नि0 विनय कुमार यादव, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।3. उ0नि0 राम आधार यादव, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।4. प्रशि0 उ0नि0 शैलेन्द्र कुमार, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।5. प्रशि0 उ0नि0 शुभ्रांशु कुशवाहा, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।6. हे0का0 सुशील कुमार राय, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।7. हे0का0 अखिलेश कुमार, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।8. हे0का0 प्रवीण कुमार यादव, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।9. का0 अवनीश कुमार यादव, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।10. का0 ओम प्रकाश, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

# नक्षत्रों के अनुसार वृक्षारोपण करना मानव जीवन के लिए अत्यन्त हितकारी -- डॉ देव नारायण पाठक



प्रयाग दर्पण संवाददाता

**प्रयागराज।** अहमदाबाद/गुजरात के ज्योतिर्विद डॉ देव नारायण पाठक ने बताया कि नक्षत्रों के अनुसार वृक्षारोपण करने से व्यक्ति के जीवन की सभी समस्याएं दूर होती है तथा मानव जीवन में आरोग्य लाभ प्राप्त होता है। जातक को अपने जन्म नक्षत्र के अनुसार वृक्ष अवस्य लगाना चाहिए। जैसे अश्विनी नक्षत्र के जातक को कुचला, भरणी नक्षत्र के जातक कोआंवला,कृत्तिका नक्षत्र के जातक को गूलर, रोहिणी नक्षत्र के जातक को जामुन, मृगशिरा नक्षत्र के जातक को खैर, आर्द्रा नक्षत्र के जातक को कृष्णागरु,पुनर्वसु नक्षत्र के जातक को बांस, पुष्य नक्षत्र के जातक को पीपल,आश्लेषा नक्षत्र के जातक को नाग केसर या चन्दन,मघा नक्षत्र के जातक को बरगद,पू. फा. को पलाश, उ. फा. को बड़ / पाकड़ हस्त नक्षत्र के जातक को रीठा उ.भा. को नीम, चित्रा को बेल स्वाति को अर्जुन,विशाखा नक्षत्र के जातक को विकंकत अथवा नीम ,अनुराधा नक्षत्र के जातक को मौलसिरी,ज्येष्ठा को रीठा,मूल नक्षत्र के जातक को राल वृक्ष (साल)पू.षा. को मौलसिरी या जामुन,उ. षा. को कटहल,श्रवण को आक,धनिष्ठा नक्षत्र के जातक को शमी या सेमल, शतभिषा को कदम्ब,पू.भा. नक्षत्र के जातक को आम तथा रेवती नक्षत्र के जातक को महुआ का एक वृक्ष अपने जीवन में अवस्य लगाना चाहिए तथा जब तक वह वृक्ष तैयार न हो जाए तब तक उसकी देखभाल करना चाहिए। इससे व्यक्ति के जीवन में आरोग्य सुख की प्राप्ति होती है। डॉ पाठक ने बताया कि एक वृक्ष सौ पुत्रों के समान होता है। आज हम अगर पौधों का रोपण एवं संरक्षण करेंगे तो भविष्य में इसका फायदा हमारी आने वाली पीढ़ी को मिलेगा। हर व्यक्ति को अपने जीवन काल में कम से कम पांच पौधों का रोपण कर पेड़ बनने तक उसका संवर्धन करना चाहिए। यही पर्यावरण के प्रति हमारी सही संवेदना होगी।

### रथ पर 7 जुलाई को नगर भ्रमण पर निकलेंगे श्रीजगन्नाथ

**आगरा।** 14 दिन बाद श्रीजगन्नाथ जी भक्तों को 6 जुलाई को नयन उत्सव में दर्शन देंगे। कमला नगर स्थित श्रीजगन्नाथ जी मंदिर इस्कॉन (अन्तर्राष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ) की ओर से 3-7 जुलाई तक पांच दिवसीय श्रीजगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ देश-विदेश के हजारों भक्त भी हिस्सा लेने पहुंचेंगे।

# थाना नैनी पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

**प्रयागराज।** थाना नैनी में पंजीकृत मु0अ0सं0 395/2024 धारा 363 भा0द0वि0 से संबंधित अभियुक्त चुलबुल उर्फ लव प्रकाश पुत्र स्व0 कमलेश्वर प्रसाद निवासी माधवपुर पट्टी खरकौनी थाना नैनी जनपद प्रयागराज को दिनांक 02.07.2024 को मुखबिर की सूचना पर इलेक्ट्रिक बस स्टैण्ड के पास थाना क्षेत्र नैनी से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी । उल्लेखनीय है कि मुकदमा उपरोक्त में साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 366/376 भा0द0वि0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी की गयी । गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-चुलबुल उर्फ लव प्रकाश पुत्र स्व0 कमलेश्वर प्रसाद निवासी माधवपुर पट्टी खरकौनी थाना नैनी जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 22 वर्ष ।संबंधित अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0 395/2024 धारा 363/366/376 भा0द0वि0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।पुलिस टीम का विवरण-1.उ0नि0 अमित कुमार सिंह चौकी प्रभारी छिवकी थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।2.का0 संजय कुमार यादव थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज ।

# पुलिस ने अपराधियों पर कसा शिंकजा,चार अपराधियों के घर चस्पा किया नोटिस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

**अमेठी।** जिले में कई मुकदमों में वांछित फरार चल रहे अपराधियों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। आज भाले सुल्तान पुलिस ने गौरीगंज, अमेठी और मुसाफिरखाना के अलग अलग गांवों में जाकर अपराधियों के घर गिरोहबंद अधिनियम के तहत नोटिस चस्पा किया। इस दौरान ढोल नगाड़ों ने पूरे गांव में मुनादी भी करवाई गई। इस धारा में 14 आरोपी थे, जिसमें 10 आरोपी जेल में है, जबकि 4 आरोपी फरार है। इन्हीं फरार आरोपियों के घर आज पुलिस ने नोटिस चस्पा किया है। दरअसल, अमेठी में अपराधियों के खिलाफ पुलिस कड़ा अभियान चला रही है। इसी कड़ी में कई मुकदमों में वांछित फरार चल रहे अपराधियों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। आज भाले सुल्तान एसओ दयाशंकर मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस जिले के कई गांवों में पहुंची और ढोल नगाड़ों से मुनादी करवाते हुए आरोपियों के घर के बाहर नोटिस चस्पा किया। एसओ ने गिरोहबंद और समाज विरोधी क्रिया कलापों में वांछित गौरीगंज थाना क्षेत्र के संभावा लाला का पुरवा गांव के रहने वाले मनोज यादव, अमेठी थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव के रहने वाले मनीष यादव, मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के भददौर गांव के रहने वाले बशीर खान और सलमान खान के घर पर धारा 2 ख(1)3 के तहत नोटिस चस्पा किया। इन सभी आरोपियों पर मुसाफिरखाना थाने में मुकदमा दर्ज था, जिसकी विवेचना भाले सुल्तान थाने को मिली थी। कार्रवाई को लेकर भाले सुल्तान एसओ दयाशंकर मिश्र ने कहा कि गिरोहबंद अधिनियम के तहत मुसाफिरखाना थाने 14 मुकदमें दर्ज थे, जिसमें 10 आरोपी जेल में है और चार आरोपी फरार है। मामले की विवेचना भाले सुल्तान थाने को ट्रांसफर हुई थी। आज सभी चार आरोपियों के घर मुनादी करवाते हुए नोटिस चस्पा की गई है।

# महाकुम्भ 2025 को दिव्य एवं भव्य रूप से आयोजित किए जाने हेतु स्टेक होल्डरों से लिए गए सुझाव

## जनपद प्रयागराज को महाकुम्भ के आयोजन के पूर्व बनाये प्लास्टिक मुक्त-मण्डलायुक्त



**प्रयागराज।** महाकुम्भ 2025 को दिव्य एवं भव्य रूप से आयोजित किए जाने हेतु मंगलवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन सभागार में प्रयागराज जनपद के स्टेक होल्डर्स के सुझावों को महाकुम्भ कार्ययोजना में सम्मिलित करने के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक श्री भानु भास्कर एवं मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत की संयुक्त अध्यक्षता में एक विशेष कार्यशाला/गोष्ठी का आयोजन किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक श्री भानु भाष्कर, मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत, एमएनआईटी के निदेशक श्री आर0एस0 वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रेम कुमार गौतम, पुलिस आयुक्त श्री तरूण गाबा, कुम्भ मेलाधिकारी श्री विजय किरण आनन्द, जिलाधिकारी श्री नवनीत सिंह चहल ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी गयी एवं हिंदू महिला विद्यालय इण्टर कालेज सिविल लाइंस के स्वच्छ सारथी क्लब की छात्राओं के द्वारा स्वच्छता के विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में दिव्य कुम्भ-भव्य कुम्भ से सम्बंधित लघु चल-चित्र का प्रदर्शन किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक श्री भानु भास्कर के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को उपहार स्वरूप एक-एक किट व नाविकों को जीवन रक्षक जैकेट प्रदान किया गया। सर्वप्रथम सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए नगर आयुक्त श्री चन्द्र मोहन गर्ग के द्वारा प्रयागराज को स्वच्छ शहर के रूप में विकसित करने हेतु बनायी गयी कार्य योजना प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्होंने बताया कि सिटी सैनिटेशन प्लान के अन्तर्गत अभी तक एक संस्था के माध्यम से 80 वार्डो में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है बाकी 20 वार्डो में भी जल्द से जल्द टेण्डर प्रक्रिया को पूरा कर शत-प्रतिशत घरों से कचरा कलेक्शन का कार्य किया जायेगा। शहर को स्वच्छ रखने के लिए 5200 मैनपॉवर लगी हुई है, महाकुम्भ के दृष्टिगत 2000 से 2500 मैन पॉवर अस्थाई रूप से और बढ़ाया जायेगा। शहर में कूड़ा कलेक्शन व ट्रांसपोर्टेशन का काम सुचारू रूप से कराये जाने हेतु 5 हजार डस्टबिन क्रय किए जाने के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। सफाई व्यवस्था की मानीटरिंग के लिए सभी कूड़ा कलेक्शन गाड़ियों में जीपीएस टैअकिंग सिस्टम लगाये गये है। बरसात के बाद घाटों पर जमी सिल्ट की सफाई हेतु थर्ड पार्टी एजेंसी के माध्यम से योजना बनाकर कार्य किया जायेगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्टेक होल्डर्स से अपील की कि आप लोग जनसामान्य में यह जागरूकता लाने में हमारा सहयोग करें कि वे घरों के कचरों को कूड़ा गाड़ियों में ही दे और सड़क पर गंदगी न फैलायें। उन्होंने कहा कि हम कितनी भी कोशिश करें, परंतु बिना नागरिकों के सहयोग के 24 घण्टे हमारा जनपद स्वच्छ बना रहे, यह सम्भव नहीं है। ''दिव्य कुम्भ-भव्य कुम्भ'' के लिए पर्यटकों व तीर्थ यात्रियों के लिए एक अविस्मर्णीय अनुभव हेतु प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा कराये जा रहे प्रमुख कार्यो की जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष श्री अरविन्द कुमार चैहान ने अवगत कराया कि शहर को और भव्य रूप देने के लिए योजना बनायी गयी है। उन्होंने महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत जनपद के सुन्दरीकरण हेतु चिन्हित प्रमुख चैराहों, सड़कों, फ्लाईओवर सहित शहर क्षेत्र के अन्य स्थानों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 36 चैराहों का सुन्दरीकरण का कार्य प्रगति पर है। चैराहों पर ग्रीन बेल्ट, कुम्भ के थीम पर आधारित मोराल्स भी बनायी जायेगी। उन्होंने बताया कि चैराहों व सड़कों के सुन्दरीकरण हेतु विशेषज्ञ आर्किटेक की मदद ली जा रही है। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर, लेप्रोसी चैराहों पर टैअफिक मैनेजमेंट, एयरपोर्ट से संगम तक छ रोटरी विकसित किए जाने, फ्लाइओवर के पिलर्स की पेंटिंग, फ्लाइओवर के नीचे ग्रीनरी, वॉल पेंटिंग, शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गो पर गेट आदि के बारे में बनायी गयी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।प्रभागीय वनाधिकारी श्री अरविंद कुमार यादव के द्वारा महाकुम्भ-2025 को ग्रीन महाकुम्भ-2025 के रूप में विकसित किए जाने व हरित आवरण को बढ़ाये जाने हेतु सामाजिक वानिकी वन प्रभाग प्रयागराज के द्वारा किए जा रहे कार्यो की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रयागराज शहर को जोड़ने वाले मुख्य मार्गो, छोटी सड़कों व गंगा नदी के किनारे तटीय भूमि पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर सुन्दरीकरण किए जाने के साथ जनपद में हरित महाकुम्भ के आयोजन हेतु लगभग 1,50,000 वृक्षारोपण की जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति पांच पौधे अवश्य लगाये व उसकी देखभाल करें।आयोजित गोष्ठी/कार्यशाला में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक श्री भानु भाष्कर ने कहा कि हम सभी लोगो की सर्वोच्च प्राथमिकता महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा एवं अच्छी सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नाव में बैठने वाले सभी यात्री शत-प्रतिशत लाइफ जैकेट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने जनपद प्रयागराज और मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने के लिए सभी जनपदवासियों से सहयोग प्रदान करने के लिए कहा है। साथ ही साथ उन्होंने सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना को और सुदृढ़ बनाये जाने हेतु लोगो से अपने सुझाव देने के लिए कहा है।मण्डलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत ने महाकुम्भ-2025 को स्वच्छ महाकुम्भ के रूप में आयोजित किए जाने हेतु सभी लोगो से प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील करते हुए कहा कि यदि हम महाकुम्भ के आयोजन के पूर्व प्रयागराज को प्लास्टिक मुक्त बना सके, तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने मेले में आयोजित होने वाले भण्डारों में थर्माकोल के स्थान पर मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग किए जाने के लिए कहा। कहा कि सभी लोग यह संकल्प ले कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग किसी भी दशा में नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग अपने घर के निकास द्वार पर कपड़े से बने हुए दो झोले टांग कर रखे और घर से निकलते समय अपने साथ झोला अवश्य लेकर निकलें।कार्यक्रम में एमएनआईटी के निदेशक श्री आर0एस0 वर्मा ने कहा कि महाकुम्भ के आयोजन में भीड़ प्रबंधन, सर्विलांश व अन्य तकनीकि कार्यो में हमारे संस्थान के द्वारा जो भी सहयोग हो सकता है, उसे हमारा संस्थान कर रहा है और करते रहेंगे। उन्होंने महाकुम्भ प्रबंधन के लिए डेवलप किए गए एप्प के बारे में भी बताया।पुलिस आयुक्त श्री तरूण गाबा ने कहा कि हम सब के लिए यह गर्व की बात है कि हम सब महाकुम्भ के आयोजन में अपना योगदान दे रहे है। उन्होंने कहा कि यह विश्व का सबसे बड़ा कार्यक्रम होता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व अन्य नई तकनीकियों का प्रयोग करते हुए भीड़ मैनेजमेंट एवं यातायात प्रबंधन पर कार्य किया जायेगा। कहा कि यह ऐसा कार्यक्रम है, इसमें कोई भी गलती न होने पाये। उन्होंने कहा कि ऊंचाईयों को छूने के लिए मेहनत करनी ही होती है। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी-अपनी जिम्मेदारी को पूरी तनमयता के साथ निर्वहन करते हुए इस महा आयोजन में अपने दायित्वों को निभायें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से पुलिसजन अच्छा व्यवहार करें, इसके लिए उनके लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि टीम भावना के साथ सबको मिलकर कार्य करना होगा।इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री नवनीत सिंह चहल ने कहा कि

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादक:-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।